वर्ष-10//अंक-1// दिसम्बर 2022

ISSN 2454-5805

₹20/-

आम आदमी पत्रिका®

एक आम इंसान की सोच

RNI NO.: CHHHIN/2013/50684

छत्तीसगढ़ में आरक्षण का नया विधेयक पास

अब SC 13%, ST 32%, OBC 27% और EWS का 4% कोटा

Chai Signal

Taste Our Delicious Food at your Doorstep!

Order on SWIGGY zomato

www.chaisignal.com Shop No.24, Katora Talab Garden, Raipur (C.G.) Follow Us:

आम आदमी पत्रिका
वर्ष-10//अंक-2// दिसम्बर 2022

प्रबंध संपादक : उमेश के बंसी
सर्कुलेशन इंचार्ज : प्रकाश बंसी
रिपोर्टर : नेहा श्रीवास्तव
कंटेंट राईटर : प्रशांत पारीक
क्रिएटिव डिजाइनर : देवेन्द्र देवांगन
मैग्ज़ीन डिज़ाइनर : युनिक ग्राफिक्स
मार्केटिंग मैनेजर : किरण नायक
एडमिनिस्ट्रेशन : निरूपमा मिश्रा
अकाउंट असिस्टेंट : प्रियंका सिंह
ऑफिस कॉर्डिनेटर : योगेन्द्र बिसेन

प्रधान कार्यालय
965/1 कक्कड़ चौक, श्याम नगर रोड,
कटोरा तालाब,रायपुर, छत्तीसगढ़
फोन : 0771-4044047
ईल : khabar@aamaadmi.in
कार्यालय
प्लाट नं.118, कंचन बाग, राजनांदगांव

प्रकाशक
उमेश कुमार बंसी, क्वाटर नंबर 10, एम.एम. रियल स्टेट कॉलोनी, अमलीडीह, रायपुर (छत्तीसगढ़) से प्रकाशित एवं मुद्रित

विशेष- इस पत्रिका में प्रकाशित लेखों में दिये गए विचार, लेखकों के अपने है। इसमें संपादक / मुद्रक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में संपादक / मुद्रक जिम्मेदार नहीं होगा। इस पत्रिका से संबंधित किसी भी विवाद के लिए सुनवाई क्षेत्र रायपुर न्यायालय होगा।

अनुक्रमणिका

दिसम्बर 2022

इस अंक में

पहली बार रायपुर में होगा कांग्रेस का 85 वां महाअधिवेशन

दिल्ली में आयोजित स्टीयरिंग कमेटी की बैठक में यह फैसला लिया गया कि इस बार आयोजन छत्तीसगढ़ में किया जाएगा. यह पहली बार है जब कांग्रेस का अधिवेशन राज्य में किया जाएगा. मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा - यह हमारे लिए एक ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण पल होगा.

31

देसी छोरे पर फिदा हुई विदेशी दुल्हन 10

बिहार के सहरसा के एक युवक की शादी अनोखी ...

छत्तीसगढ़ के बेटे अंकित यादव को जन्मदिन में मिला शाही सम्मान 33

ग्लोबल शेयर मार्केट के सबसे बड़े वेल्थ मैनेजर अंकित यादव किसी पहचान के मोहताज नहीं...

सुशांत सिंह राजपूत की मौत के दो साल बाद रिया चक्रवर्ती को हुआ 'बंटी' से प्यार... 19

सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद रिया चक्रवर्ती अपनी लाइफ में आगे बढ़ते दिख रही हैं ...

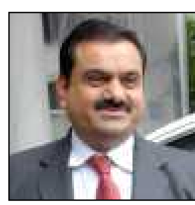

फोर्ब्स की लिस्ट में 3 भारतीय:पूरे एशिया में नही अडानी से बड़ा कोई दानवीर 23

फोर्ब्स ने हाल ही में एशिया के सबसे बड़े दानवीरों की लिस्ट जारी की है ...

जनवरी २०२३ से महंगी हो जाएंगी Maruti Suzuki की गाड़ियां 24

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड हाल ही में अपनी कारों की कीमतें बढ़ाने का ऐलान ...

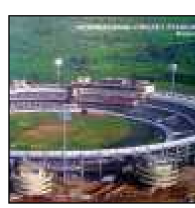

रायपुर में होगा पहला अंतरराष्ट्रीय भारत-न्यूजीलैंड वनडे क्रिकेट मैच 27

छत्तीसगढ़ पहली बार अंतरराष्ट्रीय वनडे क्रिकेट मैच के रोमांच का गवाह बनने जा रहा है ...

वो तीन मुद्दे जिसकी वजह छत्तीसगढ़ में बीजेपी नहीं कर पा रही भूपेश बघेल का मुकाबला

उमेश के बंसी
(प्रबंध संपादक)

कांकेर जिले की भानुप्रतापपुर विधानसभा सीट के उपचुनाव का रिजल्ट कांग्रेस के पक्ष में आया है. इस उपचुनाव में बीजेपी का पूरा प्रदेश नेतृत्व मैदान में उतरा था लेकिन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के सियासी रणनीति के आगे बीजेपी के सारे दावे फेल हो गए. भानुप्रतापपुर विधानसभा चुनाव में हार के बाद बीजेपी को एक बार फिर से हार का सामना करना पड़ा है. ये छत्तीसगढ़ में बीजेपी की उपचुनाव में लगातार पांचवीं हार है. कांग्रेस विधायक मनोज मंडावी के निधन के बाद खाली हुई इस सीट के लिए बीजेपी ने सावित्री मंडावी को उम्मीदवार बनाया था. वहीं, बीजेपी ने एक ऐसे नेता को टिकट दिया था जिसकी छवि साफ सुथरी थी. लेकिन इसके बाद भी बीजेपी को हार का सामना करना पड़ा.

> छत्तीसगढ़ में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं. विधानसभा चुनाव की तैयारी से पहले बीजेपी को बड़ा झटका लगा है. वहीं, भूपेश बघेल ने कहा कि हमें जनता का सहयोग मिल रहा है. क्योंकि सरकार के काम आम जनता तक पहुंच रहे हैं.

आदिवासी वोटर्स को अपने पाले में लाने में सफल

बिलासपुर हाईकोर्ट के फैसले के बाद छत्तीसगढ़ में आदिवासी आरक्षण में कटौती की गई थी. इस मुद्दे को लेकर आदिवासी समाज कांग्रेस से नाराज था. आदिवासियों की नाराजगी को देखते हुए भूपेश बघेल ने 1 दिसंबर को विधानसभा में आरक्षण प्रस्ताव पास किया. जिसके बाद आदिवासी वोटर्स को अपने फेवर में लाने में सफल रही. जबकि बीजेपी यहीं से पिछड़ गई. भूपेश बघेल ने राज्य में जातिगत आधार पर आरक्षण दिया.

सावित्री मंडावी को मिला सहानुभूति वोट

भानुप्रतापपुर विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने भावनात्मक कार्ड खेला था. यहां से दिवंगत नेता मनोज मंडावी की पत्नी को कांग्रेस ने उम्मीदवार बनाया. सावित्री मंडावी के साथ सहानुभूति वोट के साथ-साथ छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार के काम के आधार पर ही लोगों ने वोट किया. बीजेपी भूपेश बघेल की इस रणनीति को भांप नहीं पाई. सावित्री मंडावी को चुनाव लड़ने से पहले अपनी सरकारी नौकरी छोड़नी पड़ी.

बीजेपी उम्मीदवार के खिलाफ कैंपेन

भाजपा उम्मीदवार ब्रह्मनंद नेताम के खिलाफ कांग्रेस ने व्यक्तिगत हमला किया. उपचुनाव की घोषणा के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने आरोप लगाते हुए कहा कि बीजेपी उम्मीदवार ब्रह्मनंद नेताम के खिलाफ झारखंड में रेप का केस दर्ज है. इसे लेकर कांग्रेस लगातार हमलावर रही. जबकि बीजेपी अपने उम्मीदवार की साफ छवि को लेकर उसका बचाव करती रही. कांग्रेस अटैकिंग मोड में रही जबकि बीजेपी बचाव के करती रही.

सर्दियों में जरूर पियें चुकंदर का जूस होंगे अनोखे फायदे

सर्दियों में मार्केट में बहुत अच्छे चुकंदर मिलने लगते हैं. कई लोग इसका सलाद बनाकर खाते हैं, तो कई लोग इसका जूस बनाकर पीते हैं. सर्दियों में चुकंदर का जूस शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होता हैं. इसको पीने से खून बढ़ता हैं और शरीर की कमजोरी भी दूर होती हैं.

चुकंदर में भरपूर मात्रा में प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन और सोडियम आदि पाए जाते हैं. चुकंदर का जूस पीने से शरीर लंबे समय तक हेल्दी रहता है. चुकंदर का जूस पीने से इम्यूनिटी मजबूत होने के साथ पाचन तंत्र भी हेल्दी रहता हैं. सर्दियों में चुकंदर के जूस को रोज पीया जा सकता हैं. आइए जानते हैं चुकंदर का जूस पीने से और क्या क्या फायदे मिलते हैं।

शरीर को डिटॉक्स करें

चुकंदर का जूस शरीर के लिए बहुत हेल्दी होता है. सर्दियो में नियमित इसको पीने से शरीर से विषाक्त पदार्थ बाहर निकलते हैं और लीवर भी हेल्दी होता हैं. इसमें पाए जाने वाले एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी - इंफ्लेमेटरी गुण शरीर को हेल्दी रखने में मदद करते हैं।

पाचन तंत्र को करें मजबूत

सर्दियों में अक्सर लोगों का पाचन तंत्र खराब हो जाता हैं. ऐसे में पेट को हेल्दी रखने के लिए नियमित चुकंदर को जूस को पिएं. चुकंदर का जूस गैस और एसिडिटी की समस्या दूर होने के साथ पेट साफ करने में भी मदद करता हैं. चुकंदर में भरपूर मात्रा में फाइबर होता है, जो पेट के लिए काफी फायदेमंद होता है।

मिले ग्लोइंग स्किन

सर्दियों में चुकंदर का रस पीने से चेहरा चमकदार बनता है. चुकंदर का जूस एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होता हैं. इसको पीने से पिंपल्स की समस्या दूर होने के साथ स्किन लंबे समय तक हाइड्रेट भी रहती हैं. जिससे ग्लोइंग स्किन मिलती हैं।

वजन कम करने में मदद

सर्दियों में चुकंदर का जूस पीने से वजन कम होने में मदद मिलती हैं क्योंकि इसमें कैलोरी की मात्रा काफी कम होती हैं. इसलिए अगर आप भी लंबे समय से वजन कम करने के बारे में सोच रहे हैं, तो डाइट में चुकंदर के जूस को जरूर शामिल करें. ये जूस पीने से पेट लंबे समय तक भरा रहता है. जिससे आप एक्सट्रा खाने से बच जाते हैं. वजन भी तेजी से कम होता है.

खून बढ़ाए

सर्दियों में चुकंदर का जूस पीने से शरीर में खून की मात्रा बढ़ती हैं. जिससे शरीर की कमजोरी भी दूर होती है. इसके सेवन से एनीमिया के रोगियों को भी फायदा होता हैं. चुकंदर शरीर को हेल्दी रखने में मदद करता है. इसको नियमित पीने से शरीर की थकावट भी दूर होती हैं।

क्या आप EPF खाते से निकालना चाहते हैं रकम जाने कैसे वेबसाइट से Withdraw करें

EPF निकासी केवल कर्मचारी भविष्य निधि संगठन की वेबसाइट के माध्यम से ही ऑनलाइन की जा सकती है. कर्मचारी भविष्य निधि जिसे आमतौर पर EPF के रूप में जाना जाता है, एक अनिवार्य अंशदान भविष्य निधि है, जो भारत में कर्मचारियों को बचत, पेंशन और बीमा लाभ प्रदान करता है. प्रावधान के अनुसार देश में सभी नियमित कर्मचारियों को हर महीने अपने मूल वेतन के 12 प्रतिशत के साथ फंड में योगदान करना आवश्यक है. यह योगदान कर्मचारियों के EPF खाते में जमा किया जाता है और नियोक्ता के योगदान और ब्याज के साथ-साथ योगदान किए गए पूरे पैसे को सेवानिवृत्ति के समय वापस लिया जा सकता है. हालांकि यह पैसा समय अवधि पूरी होने से पहले भी निकाला जा सकता है, जिसके लिए कुछ तरीके हैं.

इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि कैसे आप अपने EPF खाते से ऑनलाइन पैसा निकाल सकते हैं. शुरू करने से पहले यह जानना जरूरी है कि EPF खाते से पूरी निकासी तभी संभव है जब या तो कर्मचारी सेवानिवृत्त हो गया हो या दो महीने से अधिक समय से सेवा में न हो. EPFO ने मेडिकल बीमारी, शादी, आपदा या घर की मरम्मत आदि जैसी कुछ खास परिस्थितियों में आंशिक निकासी का भी प्रावधान किया है.

आप EPF साइट पर उपलब्ध एफएक्यू दस्तावेज में समय से पहले निकासी के मानदंड की जांच कर सकते हैं.
UAN सदस्य के ई-सेवा पोर्टल पर जाएं. यहां अपना यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (UAN) और पासवर्ड डालें. इसके बाद कैप्चा भरें. इसके बाद साइन इन बटन पर क्लिक करें.

अब मेनू के शीर्ष पर ऑनलाइन सेवाओं पर क्लिक करें और फिर CLAIM (FORM & 31,19,10C & 10D) विकल्प पर क्लिक करें.

ऑनलाइन दावा प्रपत्र पर प्रदर्शित विवरण की पुष्टि करें. सत्यापन के बाद, अपना बैंक खाता नंबर दर्ज करें.
अब Verify बटन पर क्लिक करें और फिर ल्मे बटन पर क्लिक करें जो सर्टिफिकेट

ऑफ अंडरटेकिंग पर उपलब्ध है. अब आपसे Proceed वित Online क्लेम के लिए कहा जाता है. जिसके लिए आपको Proceed पर क्लिक करना होगा.
अब इस फार्म में आपसे पूछा जाता है कि क्या आप एडवांस पीएफ निकासी के लिए आवेदन कर रहे हैं.

इसमें आपको एक ड्राप मेन्यू दिखाई देता है. जिसका शीर्षक है - उद्देश्य जिसके लिए अग्रिम की आवश्यकता है.

इसका मकसद आपसे यह जानना है कि आप क्यों हटना चाहते हैं. आप इस मेनू से कारण चुन सकते हैं. अब वह राशि दर्ज करें जिसे आप टेक्स्ट बाक्स में निकालना चाहते हैं. उसके बाद कर्मचारी पता अनुभाग में अपना ईमेल पता भरें. प्रमाण पत्र पर क्लिक करें और फिर अपना आवेदन जमा करें. जमा करने के बाद ईपीएफओ साइट आपको निकासी के कारण के लिए भरे गए दस्तावेजों की स्कैन की हुई प्रति जमा करने के लिए कह सकती है.

अब आपको इस आवेदन को नियोक्ता से सत्यापित करवाना होगा. आपके बैंक खाते में राशि प्राप्त करने के लिए इस प्रक्रिया में 15 से 20 दिन लग सकते हैं.

एक शिशु के घर में जन्म लेते ही न सिर्फ परिवार पूरा होता है बल्कि माता-पिता की उसके प्रति कई जिम्मेदारियां भी बढ़ जाती हैं. खासतौर पर तब जब आप पहली बार मां बन रही हों. नवजात बच्चा बहुत ही नाजुक होता है. उसे प्यार दुलार के साथ बहुत देखभाल की भी जरूरत होती है. छोटे बच्चों का इम्यून सिस्टम कमजोर होने की वजह से वह रोगों की चपेट में जल्दी आते हैं. समस्या तब और ज्यादा बढ़ जाती है जब पहली बार मां बनने वाली महिलाओं को नवजात की परवरिश से जुड़ी सभी चीजों की ज्यादा जानकारी नहीं होती. ऐसे में अगर आप पहली बार मां बनी हैं तो नवजात शिशु की देखभाल से जुड़ी इन बातों का रखें खास ख्याल.

पहली बार मां बनने वाली महिलाएं न करें ये गलतियां

एक शिशु के घर में जन्म लेते ही न सिर्फ परिवार पूरा होता है बल्कि माता-पिता की उसके प्रति कई जिम्मेदारियां भी बढ़ जाती हैं. खासतौर पर तब जब आप पहली बार मां बन रही हों. नवजात बच्चा बहुत ही नाजुक होता है. उसे प्यार दुलार के साथ बहुत देखभाल की भी जरूरत होती है. छोटे बच्चों का इम्यून सिस्टम कमजोर होने की वजह से वह रोगों की चपेट में जल्दी आते हैं. समस्या तब और ज्यादा बढ़ जाती है जब पहली बार मां बनने वाली महिलाओं को नवजात की परवरिश से जुड़ी सभी चीजों की ज्यादा जानकारी नहीं होती. ऐसे में अगर आप पहली बार मां बनी हैं तो नवजात शिशु की देखभाल से जुड़ी इन बातों का रखें खास ख्याल.

नवजात बच्चे की देखभाल करते समय ध्यान रखें ये बातें–

साफ सफाई – नवजात बच्चे की इम्यूनिटी कमजोर होने की वजह से वो जल्दी रोगों की चपेट में आ जाता है. ऐसे में बच्चे और उसके आसपास की साफ सफाई का खास ख्याल रखें. यदि कोई व्यक्ति बच्चे को गोद में लेता है तो हाथों को अच्छे से धोकर ही बच्चे को उठाएं.इसके अलावा बच्चे को बीमार व्यक्ति से दूर रखें, खुद या किसी और को बच्चे को चूमने ना दें. बच्चे के लिए ज्यादा सुगंधित चीजों का इस्तेमाल न करें. यह बच्चे के लिए नुकसानदायक हो सकता है.

समय से हो टीकाकरण – बच्चे को बीमारियों से दूर रखने के लिए समय-समय पर टीकाकरण करवाना बेहद जरूरी होता है. आप बच्चे का एक भी टीका न छोड़े, डाक्टर द्वारा बताए गये टीकों को समय-समय के अंतराल में जरूर लगवाएं.

बच्चे का रोना – अक्सर बच्चे के रोने को भूख और नींद से जोड़ दिया जाता है. लेकिन नई मां को यह बात समझनी चाहिए कि बच्चे के रोने के पीछे कई और कारण भी जिम्मेदार हो सकते हैं. जरूरी नहीं बच्चा हर बार भूख या नींद के कारण ही रो रहा हो. ऐसे में मां को सर्तक रहकर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बच्चा क्यों रो रहा है. कई बार बच्चा गीलेपन और पेट दर्द के कारण भी रोता है. बच्चे को ज्यादा देर तक डाइपर पहने से भी वो असहज महसूस करके रोने लगता है.

बच्चे की मसाज – बच्चे के विकास और उसकी देखभाल के लिए आप रोजाना बेबी आयल से बच्चे की मालिश करें. इससे बच्चे की हड्डियां मजबूत होंगी. आप बच्चे की रोजाना दो बार मसाज कर सकते हैं. ऐसा करते समय ध्यान रखें कि बच्चे की हल्के हाथों से ही मसाज करें.

जच्चा-बच्चा का खानपान – नवजात बच्चा पूरी तरह से मां के दूध पर निर्भर रहता है. ऐसे में मां का खान-पान संतुलित व पौष्टिक होना बहुत जरूरी है. मां को अपने खाने का विशेष ध्यान रखना चाहिए जिससे बच्चे पर बुरा असर न पड़े. स्तनपान कराने वाली मां को सूखे मेवे, दलिया जेसे पौष्टिक आहार को अपनी डाइट में शामिल करना चाहिए. जिससे बच्चे के लिए पर्याप्त दूध हो सके.

मारुति अपनी कार पर दे रही 75 हजार का डिस्काउंट

मारुति इस महीने अपनी कई कारों पर शानदार डिस्काउंट ऑफर लेकर आई है. इस ईयरएंड ऑफर के चलते कंपनी कारों को सस्ते में खरीदने का अच्छा मौका भी है. हालांकि, कंपनी अपनी माइक्रो SUV कही जाने वाली कार एस-प्रेसो पर सबसे ज्यादा डिस्काउंट ऑफर कर रही है. कंपनी इसके पेट्रोल और CNG दोनों वैरिएंट पर ऑफर लेकर आई है. जिसके चलते इस कार को 75 हजार रुपए कम में खरीद सकते हैं. बता दें कि इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 4.25 लाख रुपए है. इसके कुल 8 वैरिएंट आते हैं. जिसमें 2 CNG वैरिएंट शामिल हैं. CNG वैरिएंट 32.73 km/kg का माइलेज देता है. चलिए एस-प्रेसो पर मिलने वाले सभी ऑफर के बारे में डिटेल में जानते हैं.

75 हजार का डिस्काउंट

मारुति की एस-प्रेसो पर कुल 75 हजार का डिस्काउंट मिल रहा है. इसके पेट्रोल वैरिएंट पर कंपनी 65 हजार का डिस्काउंट दे रही है. जिसमें 45 हाजर का कैश, 15 हजार का एक्सचेंज और 5000 का कार्पोरेट डिस्काउंट शामिल है. दूसरी तरफ, इसके CNG वैरिएंट को 75 हजार रुपए कम में खरीदा जा सकता है. इस पर कंपनी 65 हजार का कैश डिस्काउंट और 15 हजार का एक्सचेंज ऑफर दे रही है. बता दें कि इसके स्प CNG वैरिएंट की कीमत 5.90 लाख रुपए और VXi CNG वैरिएंट की कीमत 6.10 लाख रुपए है.

जुलाई में लान्च हुआ नया मॉडल

मारुति ने अपनी माइक्रो SUV यानी एस-प्रेसो का नया मॉडल (2022) जुलाई में लान्च किया था. इस मॉडल को नेक्स जनरेशन K-सीरीज 1.0-लीटर डुअल जेट, डुअल VVT इंजन के साथ लान्च किया गया है. कार में आइडल स्टार्ट-स्टाप टेक्नोलॉजी का भी इस्तेमाल किया गया है. कंपनी का कहना है कि मौजूदा मॉडल की तुलना में इसकी फ्यूल इफिशियंसी ज्यादा हो गई है. न्यू एस-प्रेसो का Vki (0) और Vki (0) AGS वैरिएंट 25.30 Km/l, Vxi/Vxi+ MT 24.76 km/l और Std/Lxi MT 24.12 km/l का माइलेज देगा. इतना ही नहीं, नए मॉडल के सभी AGS वैरिएंट में ESP के साथ हिल होल्ड असिस्ट और इलेक्ट्रिकली एडजेस्टेबल ORVMs भी मिलेंगे.

दमदार इंजन और कम्फर्ट डिजाइन

न्यू एस-प्रेसो में नेक्स्ट जनरेशन K & Series 1.0L डुअल जेट, डुअल VVT इंजन दिया है. ये 49kW/5500rpm का पावर और 89Nm/3500rpm का पीक टॉर्क जनरेट करता है. इंजन को 5-स्पीड मैनुअल और 5-स्पीड आटोमैटिक ट्रांसमिशन से जोड़ा गया है. नई एस-प्रेसो यूथफुलनेस, विटालिटी और एनर्जी को प्रदर्शित करती है जो भारत के 'गो-गेटर्स' के साथ प्रतिध्वनित होती है. इसमें कमांडिंग ड्राइव व्यू, डायनेमिक सेंटर कंसोल, ज्यादा केबिन स्पेस और हाई ग्राउंड क्लीयरेंस के साथ बोल्ड एसयूवी जैसा एक्सटीरियर दिया है, जो ड्राइविंग के दौरान ज्यादा कम्फर्टेबल रखता है.

अनिद्रा से काले मोतियाबिंद का खतरा

लंदन. रात में भरपूर नींद न ले पाना यानी अनिद्रा की शिकायत, दिन में नींद आना और खर्राटे लेने से आंखों पर बुरा असर पड़ता है. लंबे समय तक यह समस्या होने पर काला मोतियाबिंद होने का जोखिम बढ़ जाता है. ऐसे में समय पर इलाज न मिल पाने से आखों की रोशनी जाने की खतरा भी बना रहता है.

इससे संबंधति अध्ययन को एमजे ओपन जर्नल में प्रकाशित किया गया है. शोधकर्ताओं ने बताया कि उन्होंने इस निष्कर्ष तक पहुंचने के लिए ब्रिटेन के बायोबैंक के 4 लाख से ज्यादा लोगों के डेटा का आकलन किया गया. उन्होंने बताया कि काला मोतियाबिंद के कारण आंखों की रोशनी चले जाने के बाद दोबारा नहीं लौटती है. शोधकर्ताओं ने बताया है कि भरपूर नींद न लेने की स्थिति में यह किसी भी उम्र में हो सकता है. बुजुर्गों और धूम्रपान करने वालों में यह आम समस्या है. शोधकर्ताओं का मानना है कि 2040 तक यह दुनिया भर में 11.2 करोड़ लोगों को प्रभावित कर सकता है.

2010 से 2021 तक चला अध्ययन चीन के शोधकर्ताओं के नेतृत्व में यह अध्ययन किया गया. इस अध्ययन में 40 से 69 आयु वर्ग के लोगों को शामिल किया गया था. इन लोगों से उनकी नींद की आदतों के बारे में जानकारी जमा की गई. 2010 से 2021 तक चले इस अध्ययन के दौरान काला मोतियाबिंद के 8,690 मामलों की पहचान की गई.

ऐसे करें बचाव

- स्लीप थेरेपी अपनाएं
- सात से नौ घंटे की नींद लें
- आखों की जांच कराए

आंख से दिमाग को जोड़ने वाली तंत्रिका पर असर

काला मोतियाबिंद आंख से दिमाग को जोड़ने वाली आप्टिक तंत्रिका को प्रभावित करता है. इसमें आंख की प्रकाश संवेदनशील कोशिकाओं का क्षरण होता है. इससे आंखों की रोशनी हमेशा के लिए जा सकती है.

बिहार के सहरसा के एक युवक की शादी अनोखी दास्तां बन गई है. जर्मनी की रहने वाली मार्था ने सहरसा के पटुआहा के चौतन्य से मिथिला की रीति-रिवाज संग शादी की है. मार्था का पूरा परिवार इस शादी का गवाह बना.अब इस शादी की चर्चा हर कहीं हो रही है. दोनों ने हिन्दू रीति-रिवाज के अनुसार शादी की है.

देसी छोरे पर फिदा हुई विदेशी दुल्हन

दोनों के परिवार रहे शादी में मौजूद

दरअसल, युवक-युवती दोनों जर्मनी में साथ पीएचडी की पढ़ाई कर रहे थे. वहीं से दोनों के बीच प्यार परवान चढ़ा. और फिर दोनों ने भारत आकर शादी कर ली. बताते चलें, 28 नवंबर को जर्मनी की युवती ने हिन्दू रीति-रिवाज के अनुसार सहरसा के युवक से शादी की. युवती की मां पोलैंड की रहने वाली है. शादी में जर्मनी की लड़की की मां, बहन के अलावा एक रिश्तेदार भी मौजूद थे.

जर्मनी पढ़ने गया था चैतन्य

सहरसा के पटुआहा गांव का रहने वाला चौतन्य जर्मनी पढ़ाई करने गया था. दोनों जर्मनी में एक साथ पीएचडी की पढ़ाई कर रहे थे. दूल्हे के परिवार वालों ने बताया कि चौतन्य ने शुरुआती पढ़ाई सहरसा में की. उसने शिलांग से बीटेक की और उसके बाद मास्टर करने बेल्जियम चला गया. फिर वहां से पीएचडी करने जर्मनी गया. वहीं उसकी मुलाकात मार्था से हुई और फिर यह मुलाकात प्यार में बदल गया.

मिथिला रीति रिवाज से हुई शादी

मार्था हिंदी बोलना नहीं जानती, फिर भी मिथिला रीति रिवाज से शादी को तैयार हो गई और यहां के परंपरा के अनुसार ही शादी की. चौतन्य के परिवार वालों ने बताया कि मार्था ने कहा है कि वह दो-तीन महीने में हिंदी भी सीख जाएगी. शादी के समय दुल्हन ने वादा किया कि वह दो से तीन महीने में हिंदी सीख लेगी. युवती को अंग्रेजी, जर्मनी समेत 8 भाषाएं आती हैं.

जब दोनों ने अपने परिवार वालों को इस बारे में बताया तो दोनों के परिजन ने शादी की रजामंदी दे दी. बता दें कि मार्था पोलैंड की रहने वाली ओरलोवास्का की पुत्री है.

30 सेकेंड में पेड़ से तोड़ सकेंगे नारियल, किसानों ने बनाई मशीन

कर्नाटक के किसानों ने एक मशीन बनाई है, जिसकी मदद से 30 सेकेंड में नारियल के पेड़ पर चढ़ा जा सकेगा. बाइक जैसी इस मशीन में एक लीटर पेट्रोल डालकर 80 बार नारियल के पेड़ पर चढ़ा जा सकता है.

कर्नाटक के किसानों ने एक मशीन बनाई है, जिसकी मदद से 30 सेकेंड में नारियल के पेड़ पर चढ़ा जा सकेगा. बाइक जैसी इस मशीन में एक लीटर पेट्रोल डालकर 80 बार नारियल के पेड़ पर चढ़ा जा सकता है.

अगर आप से कोई नारियल के पेड़ पर चढ़कर नारियल तोड़कर लाने को कह दे, तो आप में से कई लोगों के लिए ये काफी मुश्किल काम होगा. लेकिन अब ऐसा करना आसान हो गया है. मतलब अब नारियल की खेती और आसान हो गई है. क्योंकि अब इसके लिए एक खास मशीन आ गई है. ये वो मशीन है, जिसके जरिये अब आसानी से नारियल के ऊंचे पेड़ों पर चढ़ा जा सकता है. अब चाहे नारियल के पेड़ों में कीटनाशक डालना हो या फिर बाजार तक ले जाने के लिए नारियल तोड़ना हो अब सब आसान हो गया है.

अब तक ये काम काफी मुश्किल भरा था. नारियल के पेड़ पर चढ़ाई करना ही अपने आप में बड़ी मशक्कत का काम है और फिर इसके लिए ट्रेंड होना भी जरूरी है. क्योंकि नारियल के पेड़ बिल्कुल सीधे और चिकने होते हैं. लिहाजा फायदेमंद होते हुए भी नारियल की खेती को अपनाना सबके लिए आसान नहीं है. लेकिन अब ये सबके लिए आसान हो गया है.

क्या है मशीन की खासियत?

इसे बनाने वाले किसान का दावा है कि इस मशीन के जरिये महज 30 सेकेंड में नारियल के पेड़ पर चढ़ा जा सकता है. इसका वजन 28 किलो है और ये 60-80 किलो तक के वजन वाले व्यक्ति का भार उठा सकती है. वहीं बाइक जैसी इस मशीन में एक लीटर पेट्रोल डालकर 80 बार नारियल के पेड़ पर चढ़ा जा सकता है.

क्या है मशीन की कीमत?

इस मशीन की कीमत करीब 75000 रुपये बताई जा रही है. अच्छी बात ये है कि किसानों ने इस मशीन को हाथों हाथ लिया है. उनका मानना है कि इस मुश्किल काम के लिए वन टाइम इन्वेस्टमेंट महंगा नहीं है. इसे बनाने वाले किसान का कहना है कि इस मशीन में सेफ्टी का पूरा ध्यान रखा गया है. जाहिर है आवश्यकता ने आविष्कार करवा दिया है तो आगे और भी बेहतर संभावनाएं तलाशी जा सकती हैं.

सर्दियों में त्वचा पर इस तरह लगाएं शहद, कभी नहीं जाएगी चमक

"सर्दियों में त्वचा का रुखापन एक आम समस्या है. ऐसे में शहद एक कारगर उपाय साबित हो सकता है. त्वचा पर शहद की मालिश से रुखापन दूर हो सकता है. लेकिन उसमें कुछ चीजें मिलाकर लगाने से परिणाम बेहद अच्छे हो सकते हैं."

शहद आपकी त्वचा पर जादू की तरह काम करता है. सर्दियों में त्वचा के रूखेपन को कम करने के लिए शहद बेहद कारीगर है. शहद के आपकी त्वचा को सिर्फ हाइड्रेट करने से लेकर गंभीर संक्रमणों को रोकने तक कई तरह के फायदे है. शहद में मौजूद एंटी-बैक्टीरियल गुण मुंहासे को कम करने में काफी मदद करते हैं. त्वचा को हाइड्रेट करने के लिए कच्चे शहद का इस्तेमाल करने से त्वचा मुलायम और चमकदार बनती है. जब आपकी त्वचा की देखभाल करने की बात आती है तो शहद एक बेहतरीन विकल्प है.

शहद आपकी त्वचा पर जादू की तरह काम करता है. सर्दियों में त्वचा के रूखेपन को कम करने के लिए शहद बेहद कारीगर है. शहद के आपकी त्वचा को सिर्फ हाइड्रेट करने से लेकर गंभीर संक्रमणों को रोकने तक कई तरह के फायदे है. शहद में मौजूद एंटी-बैक्टीरियल गुण मुंहासे को कम करने में काफी मदद करते हैं. त्वचा को हाइड्रेट करने के लिए कच्चे शहद का इस्तेमाल करने से त्वचा मुलायम और चमकदार बनती है. जब आपकी त्वचा की देखभाल करने की बात आती है तो शहद एक बेहतरीन विकल्प है.

सर्दियों में त्वचा पर शहद के इस्तेमाल के 4 तरीके :

दूध और शहद : 2-3 बड़े चम्मच कच्चा दूध और उतनी ही मात्रा में कच्चा शहद लेकर मिला लें. इस मिश्रण को अपने चेहरे और गर्दन पर लगाएं और अपनी उंगलियों से धीरे-धीरे मालिश करें. 15-20 मिनट के लिए रख दें. इसे हटाने के लिए पानी का प्रयोग करें, और फिर अच्छे परिणाम के लिए इसको दिन में दो बार करें.

दही और शहद : एक चम्मच ताजा दही में आधा चम्मच कच्चा शहद मिलाएं, फिर कुछ मिनट के लिए अपने चेहरे और गर्दन की मालिश करें. 10-15 मिनट तक ऐसा करें, फिर पानी से धो लें. इस फेस पैक को 2-3 दिनों तक लगाएं. यह खास तौर पर ड्राई स्किन के लिए बेस्ट है.

शहद और नींबू : एक कटोरी लें और उसमें एक बड़ा चम्मच कच्चा शहद और 1 चम्मच निचोड़ा हुआ नींबू का रस मिलाएं. इसे अपने चेहरे और गर्दन पर लगाएं. इसे 15-20 मिनट तक रखें. इसे गुनगुने पानी से धो लें और अपने चेहरे और गर्दन को माइस्चराइज करें.

शहद, एलोवेरा और दालचीनी: एक कटोरी में 2 बड़े चम्मच कच्चा शहद, 1 बड़ा चम्मच एलोवेरा और 1⁄4 बड़ा चम्मच पिसी हुई दालचीनी मिलाएं. इसे अच्छे से मिलाएं. इस प्राकृतिक मास्क को अपने चेहरे और गर्दन पर लगाएं. इसे 5-10 मिनट के लिए लगा रहने दें. उसके बाद चेहरे को अच्छे से धोकर उस पर माइस्चराइजर लगाएं.

वास्तु विज्ञान में इन्हें मानते हैं भयंकर दोष

वास्तु शास्त्र में कुछ ऐसे दोषों के बारे में बताया गया है जो कि हम सभी के निजी जीवन पर बहुत प्रभाव डालते हैं. ये दोष हमारी तरक्की में बाधा डालते हैं, और तो और इन दोषों की वजह से हमारे पास कभी पैसा एकत्र नहीं हो पाता है. करियर में अथक प्रयास के बाद भी हम सफल नहीं हो पाते. आइए आज हम आपको बताते हैं ऐसे दोषों के बारे में.

Vastu Tips: वास्तु के अनुसार हम सभी के घरों में कुछ न कुछ ऐसी कमियां रह जाती हैं, जिन्हें वास्तु दोष माना जाता है. इन कमियों की वजह से हमारे घर में अक्सर कलह का वातावरण बना रहता हे. आपस में परिवार के लोगों के बीच में तकरार बनी रहती है. पति-पत्नी के संबंधों में प्यार नहीं रहता. आइए जानते हैं कौन से हैं ये वास्तुदोष.

तस्वीरों के कारण वास्तुदोष

घर की दीवारों पर तस्वीर बना सकते हैं, लेकिन तस्वीर और मूर्तियों को चिपकाना नहीं चाहिए. इसे भयंकर वास्तु दोष बनता है. घर में भगवान की प्रतिमा रखते हैं तो बहुत बड़ी प्रतिमा को नहीं रखें. 1 से लेकर 11 उंगली तक की प्रतिमा को ही घर में रखना वास्तुसंगत होता है.

भूलकर भी किराए पर न दें इस दिशा का कमरा

घर का उत्तर पूर्वी भाग ऊंचा नहीं होना चाहिए. साथ ही इस दिशा में शौचालय का निर्माण किसी भी हाल में नहीं होना चाहिए. ऐसा होने से धन की बड़ी हानि होती है. परिवार में अशुभ घटनाएं हो सकती हैं. इस दिशा का बाकी दिशा से नीचे होना और इस दिशा में मंदिर का होना शुभ माना गया है. अगर कोई कमरा रहने के लिए बनाया है तो कभी भी उत्तर पूर्व का कमरा किराए पर नहीं देना चाहिए.

अंदर की तरफ खुलें खिड़किया

घर का दरवाजा बाहर की ओर खुलना अच्छा नहीं माना जाता है. दरवाजा अंदर की ओर खुलना चाहिए. साथ ही दरवाजा खुलते बंद होते समय आवाज करना शुभ नहीं होता है. खिड़कियों के लिए भी यह नियम है कि यह अंदर की ओर खुलनी चाहिए बाहर की ओर नहीं. इस दोष की वजह से इससे भय और मानसिक कष्ट होता है. घर के मुखिया को जीवन में कष्ट भोगना पड़ता है.

चमगादड़ के आने पर करवाएं शुद्धि

मधुमक्खी का छत्ता घर में नहीं लगना चाहिए. वास्तु विज्ञान के अनुसार ऐसा होने से 6 मास तक वास्तु दोष बना रहता है. जबकि चमगादड़ के घर में आ जाने से 15 दिनों तक वास्तु दोष रहता है. ऐसे में घर की शुद्धि करानी चाहिए. गिद्ध, और कौआ का भी घर में प्रवेश कर जाना अच्छा नहीं माना जाता है.

किचन से जुड़ा वास्तु दोष

रसोई घर कभी भी ऐसा नहीं होना चाहिए कि द्वार के सामने से ही चूल्हा दिखे. ऐसे होने से घर से बरकत चली जाती है. खाना बनाते समय गृहणी का मुख पूर्व की ओर होना बेहद शुभ माना जाता है. इससे आरोग्य की प्राप्ति होती है. घर में लोग कम बीमार होते हैं. रात में भोजन बनाने के बाद चूल्हा और प्लेटफार्म साफ कर लेना चाहिए. जूठा बर्तन रात में सिंक में नहीं रहने देना चाहिए.

श्री भूपेश बघेल
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री सुशील सन्नी अग्रवाल
माननीय अध्यक्ष छ.ग. भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल

डॉ. शिवकुमार डहरिया
माननीय श्रम मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन

छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल अंतर्गत वर्तमान में संचालित योजनाओं की जानकारी

क्र.	योजना का नाम	वर्तमान में प्रचलित योजना / प्रावधान
1.	मुख्यमंत्री सायकल सहायता योजना	मुख्यमंत्री सायकल सहायता योजना के अंतर्गत 18 वर्ष से 35 वर्ष आयु समूह की महिला श्रमिकों एवं 18 से 50 वर्ष आयु वर्ग के पुरूष श्रमिक जिसने पंजीकृत निर्माण श्रमिक के रूप में मण्डल में 90 दिवस पूर्ण कर लिया हो तथा मंडल संचालित मुख्यमंत्री सिलाई मशीन सहायता योजना का लाभ न लिया हो। नि:शुल्क 01 नग सायकल दी जाती है।
2.	मुख्यमंत्री सिलाई मशीन सहायता योजना	मंडल में पंजीकृत निर्माण महिला श्रमिक जिनकी आयु 18 वर्ष से 50 वर्ष तक हो को नि:शुल्क 01 नग सिलाई मशीन दी जाती है।
3.	मुख्यमंत्री श्रमिक औजार सहायता योजना	निर्माण श्रमिक को पंजीकृत प्रवर्ग के आधार पर संबंधित ट्रेड जैसे:- राजमिस्त्री, प्लंबर, इलेक्ट्रिशियन, रेजा-कुली, पेंटर, कारपेंटर आदि उपकरण / औजार किट मंडल द्वारा 18 से 50 वर्ष आयु के पंजीकृत निर्माण श्रमिक देय होंगे।
4.	मुख्यमंत्री निर्माण मजदूर सुरक्षा उपकरण सहायता योजना	पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को 02 वर्ष में एक बार योजना का लाभ दिया जावेगा, हेलमेट, जूता, दस्ताना, सेफ्टी जैकेट एवं मॉस्क 01 नग सेट प्रदाय किया जावेगा।
5.	नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना	कक्षा 1 से 12 वी तक 3,000/- स्नातक- रू. 3,000, छात्रा-6,000 ,स्नातकोत्तर- रू. 5,000/-, छात्रा-6,000/-,व्यवसायिक पाठ्यक्रम- रू. 6,000/-, छात्रा-8,000/- स्नातकोत्तर स्तर का व्यवसायिक पाठ्यक्रम-रू.8,000/-, छात्रा-10,000/- रूपये देय होगा । पात्रता :-अध्ययनरत् पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के प्रथम दो बच्चे हेतु कक्षा 01 से स्नातकोत्तर तक लाभ देय होगा।
6.	मेधावी छात्र / छात्रा शिक्षा प्रोत्साहन योजना	01. 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने पर कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं- रू. 5,000/-,छात्रा-रू. 5,500/-समस्त स्नातक कक्षा- रू. 7,000, छात्रा-रू. 7,500/-समस्त स्नातकोत्तर कक्षा- रू. 10,000/-, छात्रा-रू. 10,500/- समस्त व्यवसायिक शिक्षा एवं प्रोफेसनल शिक्षा-रू. 12,000/- छात्रा- 12,500/- छ0ग0 माध्यमिक शिक्षा मंडल के कक्षा दसवीं एवं बारहवीं में प्रावीण्य सूची के प्रथम 10 में आने पर रूपये 1 लाख। 02. व्यवसायिक पाठ्यक्रम में प्रवेश/प्रत्येक शिक्षा सत्र की प्रवेश शुल्क/समस्त शैक्षणिक शुल्क जो शासकीय शिक्षण संस्थाओं में लागू शुल्क के बराबर हो प्रदाय किया जावेगा। छात्र/छात्राओं को छात्रावास में रहने एवं भोजन पर होने वाले व्यय की प्रतिपूर्ति मंडल द्वारा किया जावेगा, एवं प्रतिवर्ष कॉपी-किताब एवं स्टेशनरी हेतु रूपये 2,000/- मंडल द्वारा पृथक से देय होगा।
7.	विशेष शिक्षा सहायता योजना	पंजीकृत श्रमिक की पंजीयन के एक वर्ष पश्चात् मृत्यु की दशा में मंडल उनके प्रथम 02 संतान हेतु विशेष पंजीयन कार्ड जारी करेगा तथा उन्हें नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना/मेधावी छात्र-छात्रा शिक्षा प्रोत्साहन योजना/तकनीकी शिक्षा सहायता योजना के समस्त प्रावधानों का लाभ पात्रतानुसार प्रदान किया जाएगा।
8.	भगिनी प्रसूति सहायता योजना	मंडल अंतर्गत पंजीकृत महिला निर्माण श्रमिक के प्रथम दो बच्चों के प्रसव हेतु मंडल द्वारा राशि रू. 20,000/- एक मुश्त बच्चे के जन्म के पश्चात् प्रदाय किया जावेगा।
9.	सिलिकोसिस से पीड़ित निर्माण श्रमिकों के लिये आर्थिक सहायता एवं पुनर्वास सहायता योजना	योजनांतर्गत निर्माण कार्य से संबंधित सभी अधिसूचित वर्गों के श्रमिकों को रूपये-3,00,000/- लाख प्रदाय किया जावेगा, जिसमें से राशि रू 1,00,000/- लाख रू हितग्राहियों के खाते में स्थानांतरित किया जावेगा तथा रू 2,00,000/- लाख एफडी के रूप में देय होगा।
10.	दुर्घटना में चिकित्सा सहायता योजना	मंडल में पंजीकृत निर्माण श्रमिक को रूपये- 20,000/- रूपयें अथवा वास्तविक चिकित्सा व्यय जो भी कम हो देय होगा।
11.	मुख्यमंत्री अटल पेंशन योजना	भारत सरकार द्वारा हितग्राही के अंशदान का 50 प्रतिशत अथवा रूपये 1,000/- जो कम हो मंडल द्वारा रूपये 1,200/- प्रत्येक हितग्राही को अंशदान देय होगा। हितग्राही को रूपये 1,000/- से 5,000/- तक मासिक पेंशन का लाभ 60 वर्ष की आयु के बाद अंशदान से मिलेगा।
12.	निर्माण श्रमिक ई-रिक्शा सहायता योजना	योजनांतर्गत 18 से 50 आयु समूह के पंजीकृत निर्माण महिला को ई-रिक्शा क्रय करने हेतु राशि रूपये-1,00,000/- का अनुदान राशि दिया जावेगा।

क्र.	योजना का नाम	वर्तमान में प्रचलित योजना / प्रावधान
13.	मुख्यमंत्री निर्माण मजदूर कौशल विकास एवं परिवार सशक्तिकरण योजना	निर्माण श्रमिकों को संबंधित ट्रेड में प्रशिक्षण एवं प्रमाण पत्र। प्रशिक्षण के दौरान श्रमिक को उपस्थिति के आधार पर अकुशल श्रमिक हेतु निर्धारित वेतन के मान से मानदेय देय होगा।
14.	बंधक निर्माण मजदूर पुनर्वास सहायता योजना	योजना के अंतर्गत निर्माण कार्य से संबंधित सभी अधिसूचित प्रवर्गों के बंधक श्रमिकों हेतु कुल रू 4000 दिया जाना प्रावधानित है।
15.	प्रधानमंत्री उज्जवला योजना	पंजीकृत निर्माण महिला श्रमिक को अथवा पंजीकृत पुरूष श्रमिक की पत्नी को भारत सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के अंतर्गत नया 01 नग गैस कनेक्शन लिये जाने हेतु राशि का भुगतान मंडल द्वारा खाद्य विभाग को प्रदाय किये जाने का प्रावधान है।
16.	मोबाईल रजिस्ट्रेशन वेन योजना	योजना के अन्तर्गत निर्माण कार्य स्थलों पर, चौवड़ी में तथा शिविर/ सम्मेलनों का आयोजन कर पंजीयन अधिकारी द्वारा निर्माण श्रमिकों का पंजीयन / योजना का आवेदन किया जावेगा।
17.	निर्माण श्रमिकों के बच्चों हेतु उत्कृष्ट खेल प्रोत्साहन योजना	इस योजना के अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिक के बच्चों उत्कृष्ट प्रदर्शन करने राशि रूपये-1,000/-से रूपये-50,000/- दिये जाने का प्रावधान है।
18.	शहीद वीरनारायण सिंह श्रम अन्न योजना	योजना के अंतर्गत निर्माण श्रमिकों को चयनित स्थलों पर भोजन केन्द्रों में राशि रूपयें 05/-में गर्म भोजन वितरण दिया जा रहा है।
19.	श्रम मित्र योजना	मंडल द्वारा निर्माण श्रमिकों के पंजीयन एवं संचालित योजनाओं में पंजीकृत श्रमिकों को अधिकाधिक लाभांवित किये जाने हेतु श्रम मित्रों को रूपये अधिकतम 5000/-एवं संयोजक अधिकतम 7,500/- प्रोत्साहन भत्ता मण्डल द्वारा दिये जाने का प्रावधान है।
20.	मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना	पंजीकृत निर्माण श्रमिक की मृत्यु पर 1,00,000/-एवं स्थायी दिव्यांगता पर 50,000/-रू मंडल द्वारा उत्तराधिकारी को एक मुश्त भुगतान देय होगा।
21.	प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना	योजना के अंतगत मंडल द्वारा वर्ष में एक बार रू 12/- (प्रीमियम राशि) पंजीकृत हितग्राही के बैंक खाते में स्थानांतरित किया जावेगा।
22.	निर्माण मजदूर जीवन ज्योति बीमा योजना	प्रत्येक सदस्य के लिए रू 330/- (प्रमियम राशि) वार्षिक मंडल द्वारा देय होगा।
23.	मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक नि:शुल्क कार्ड योजना	योजना के तहत् हिताधिकारी द्वारा मंडल में भवन तथा अन्य सन्निर्माण कर्मकार के रूप में अधिसूचित प्रवर्ग में पंजीयन/पंजीयन नवकरण अभिदाय शुल्क की राशि की प्रतिपूर्ति मंडल द्वारा की जावेगी।
24.	मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना	निर्माण श्रमिक की दो अविवाहित पुत्रियों जिनकी आयु-18 वर्ष से 21 वर्ष के मध्य हो उनको रूपये- 20,000/-रूपये प्रोत्साहन/सहायता राशि देय होगी।
25.	मुख्यमत्री श्रमिक सियान सहायता योजना	पंजीकृत निर्माण श्रमिक जिनकी आयु-59 वर्ष से 60 वर्ष के मध्य हो उनको राशि रूपये-10,000/- एकमुश्त एक बार दिया जाता है।

कहते हैं जोड़ियां स्वर्ग से बन कर आती हैं. इन जोड़ियों में एक दूल्हा होता है एक दुल्हन. ये दोनों अपने इस रिश्ते में किसी तीसरे की एंट्री बर्दाश्त नहीं कर सकते. तीसरे की एंट्री से तो लोगों के बसे बसाए घर उजड़ जाते हैं लेकिन महाराष्ट्र में इससे बहुत ही अलग देखने को मिला. यहां की एक शादी चर्चा में है. यहां दो नहीं बल्कि तीन लोगों की एक साथ शादी हुई है.

जुड़वां बहनों को एक ही लड़के से हुआ प्यार, उसी से की शादी

जुड़वां बहनों ने की एक दूल्हे से शादी

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार ये घटना महाराष्ट्र के सोलापुर की है. जहां एक शादी के दौरान बड़ा अनोखा मंजर देखने को मिला. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यहां दो जुड़वा बहनों ने एक ही युवक से शादी कर सबको हैरान कर. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार ये जुड़वां बहनें आईटी इंजीनियर हैं. इन्होंने शुक्रवार को महाराष्ट्र के सोलापुर जिले के मलशीरस तालुका में शादी की है.

शादी वैध है या नहीं?

इनकी शादी का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. वीडियो वायरल होने के बाद यूजर्स का सवाल है कि यह शादी वैध है या नहीं? बताया जा रहा है कि जुड़वा बहनें पिंकी और रिंकी दोनों आईटी इंजीनियर हैं और मुंबई में काम करती हैं. इन दोनों बहनों ने अतुल नामक युवक से शादी करने का फैसला किया. दोनों बचपन से एक ही घर में एक साथ रह रही हैं और दोनों आगे भी एक साथ ही रहना चाहती थीं.

ऐसे बढ़ीं नजदीकिया

इसी दौरान उनकी जिंदगी में अतुल मलशीरस आया. मलशीरस तालुका का रहने वाला अतुल मुंबई में ट्रैवल एजेंसी का व्यवसाय करता है. कुछ दिन पहले पिता के निधन के बाद पिंकी और रिंकी अपनी मां के साथ मलशीरस तालुका आकर रहने लगीं. एक बार जब रिंकी और पिंकी की मां बीमार हो गईं तो दोनों ने उन्हें अस्पताल ले जाने के लिए अतुल की कार का इस्तेमाल किया. इसी दौरान अतुल दोनों जुड़वां बहनों के करीब आ गया. फिर दोनों बहनों ने अतुल से शादी करने का फैसला किया. शादी के बाद तीनों इस शादी से बेहद खुश हैं. दोनों बहनों और अतुल की 2 फरवरी को शादी हुई. जिसके बाद इस अनोखी शादी का एक वीडियो वायरल हो रहा है, फिलहाल इस मामले की स्थानीय पुलिस भी तफ्तीश कर रही है. वहीं इस अनोखी शादी पर अभी तक दोनों के परिजनों की कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है.

दोस्ती, प्यार और हनीट्रैप... ऐसे पकड़ी गई कारोबारी को 80 लाख का चूना लगाने वाली यूट्यूबर नामरा कादिर

सोशल मीडिया के जरिए हनीट्रैप करने के मामले तो आए दिन खबरों में बने रहते हैं. लेकिन गुरुग्राम के यूट्यूबर ने खुद हनीट्रैप की वारदात को अंजाम दे डाला. उस महिला यूट्यूबर पर एक कारोबारी से 80 लाख रुपये की वसूली करने का इल्जाम है. आरोपी यूट्यूबर का नाम नामरा कादिर (Namra Qadir) है. कारोबारी की शिकायत पर पुलिस ने नामरा को गिरफ्तार कर लिया है. जबकि, उसका पति विराट बेनीवाल अभी फरार है.

कारोबारी ने दर्ज कराई FIR

24 नवंबर 2022 - हरियाणा के गुरुग्राम में रहने वाले एक कारोबारी ने पुलिस से संपर्क किया. फिर वो खुद एक तहरीर लेकर गुरुग्राम के सेक्टर-50 थाने जा पहुंचे और वहां जाकर पुलिस को आपबीती सुनाई. कारोबारी ने पुलिस को बताया कि एक हसीना ने चालबाजी की और वो उसके जाल में फंस गए. उस लड़की ने पहले कारोबारी से दोस्ती की. फिर उसे अपने प्यार के जाल में फंसाया. लेकिन कुछ दिन बाद ही उस हसीन लड़की की हकीकत सामने आ गई. वो कारोबारी को ब्लैकमेल करने लगी. इसके बाद उस हसीना ने उनसे लाखों रुपये की वसूली कर डाली. पुलिस ने कारोबारी की पूरी कहानी सुनी. तहरीर की तस्दीक की. और उस धोखेबाज लड़की के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया.

धोखाधड़ी और ब्लैकमेलिंग का केस

जिस हसीन लड़की के खिलाफ कारोबारी ने धोखाधड़ी और ब्लैकमेलिंग का मामला दर्ज कराया है. उसका नाम है नामरा कादिर. जो सोशल मीडिया पर काफी मशहूर है. उसके यूटचूब चैनल पर 6 लाख से ज्यादा सब्सक्राइबर हैं. और इंस्टाग्राम पर 2 लाख से ज्यादा यूजर्स उसे फालो करते हैं. दिखने में वो काफी खूबसूरत है. यही वजह है कि कोई भी मर्द आसानी से उसके जाल में फंस सकता है. नामरा की शादी हो चुकी है. उसके पति का नाम विराट बेनीवाल है.

पुलिस को सुनाई आपबीती

पुलिस को दी गई तहरीर में पीड़ित कारोबारी ने नामरा पर संगीन इल्जाम लगाए हैं. कारोबारी के मुताबिक नामरा ने उससे 80 लाख रुपये वसूले हैं. इस काम में उसका पति विराट बेनीवाल भी उसका साथ दे रहा था. दोनों ने उसे रेप के झूठे मामले में फंसाने की धमकी देकर रुपये वसूले हैं. कारोबारी ने पुलिस को बताया कि वो काम के सिलसिले में पहली बार नामरा कादिर से सोहना रोड पर मौजूद रेडिसन होटल में मिला था. वह एक यूटचूबर है. उसके वीडियो कारोबारी ने पहले देखे थे.

भरोसे में लेकर फंसाया

वहीं नामरा ने कारोबारी को विराट बेनीवाल से भी उन्हें मिलवाया था. उसने कहा था कि वो भी एक यूटचूबर है और उसका दोस्त है. उसी मीटिंग में नामरा ने कारोबारी की फर्म में काम करने के लिए हामी भरी थी और दो लाख रुपये एडवांस भी मांगा था. इसके बाद कारोबारी ने उसी दिन नामरा को दो लाख रुपये दिये थे. लेकिन बाद में जब कारोबारी नामरा के लिए ऐड का काम लाया और उन्हें समझाया, तो उन्होंने हां कर दिया और 50 हजार रुपये और मांगे जो कारोबारी ने उसके अकाउंट में ट्रांसफर कर दिए थे. लेकिन इसके बाद भी नामरा ने उनका काम नहीं किया.

जबरन शराब पिलाने का आरोप

कारोबारी ने पलिस को बताया नामरा ने मुझे कहा कि काम सिर्फ बहाना था, वह मुझे पसंद करती है और मुझसे शादी करना चाहती है. वह मेरे रुपए मुझे अपनी बहन की शादी के बाद लौटा देगी. मुझे भी वह अच्छी लगी और हम दोनों साथ में घूमने लगे. विराट हमेशा उसके साथ रहता था. एक दिन हम क्लब में पार्टी करने गए, तो जबरदस्ती नामरा और विराट ने मुझे शराब पिलाई.

डराकर वसूली रकम और सामान

कारोबारी ने आगे बताया, "हम तीनों में होटल में एक कमरा बुक किया और सो गए. सुबह उठने पर नामरा ने मुझसे मेरा कार्ड मांगा और आई WATCH मांगी और मुझे ब्लैक करने लगी. कहा, अगर मैंने मना किया, तो वह रेप केस लगा देगी. मैं डर गया और मैंने उससे रिकवेस्ट की की हम दोस्त हैं और कुछ गलत नहीं किया, तो वह ऐसा न करे. फिर विराट बैनिवाल ने हथियार निकाला और कहा कि वह उसका पति है और उसकी बहुत जान-पहचान है. मैंने उनकी बात नहीं मानी, तो वह मुझे फंसवा देंगे. इस हादसे के बाद मैंने उनकी बात मानी और अब तक कुल 70-80 लाख रुपए तक सामान और नकद ले चुके हैं, जिसका मेरे पास प्रुफ है."

पापा की सलाह पर दर्ज कराई FIR

पुलिस को पीड़ित कारोबारी ने बताया, "नामरा ने मेरा फोन लेकर सारे प्रूफ डिलीट कर दिए और फोन रीसेट कर दिया. जब मेरे रुपए खत्म हो गए, तो मैंने उन्हें मना किया कि अब मुझे छोड़ दो, पर उन्होंने मुझे फिर भी डराया तो मैंने अपने पापा के अकाउंट से 5 लाख रुपए निकाल लिए. तब मेरे पापा ने मुझसे मेरे रुपये के बारे में पूछा, तो मैंने उन्हें कोई जवाब नहीं दिया. तब उन्होंने मेरे खाते की जांच की, तब मैंने उन्हें सच बताया. मेरे पापा ने मुझे पुलिस में उन लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज करने की सलाह दी कि मुझे हनी ट्रप में फंसाया है."

कैसे मार्क जुकरबर्ग का सबसे सफल अधिग्रहण लोकनीति और राजनीति को आकार दे रहा है

"अक्टूबर 2022 में दुनिया के कुछ देशों में व्हाट्सएप के केवल दो घंटे काम न करने की वजह से हाहाकार की स्थिति सी बन गयी थी. एक संचार माध्यम पर इतनी निर्भरता गुजरे जमाने की बातें हैं, पर सच यह है की दुनिया थम सी गयी थी."

ब्रिटिश लेखक एडवर्ड बुलवर-लिटन का 1839 का ऐतिहासिक नाटक ''रिशेल्यू, या, द कान्सपिरेसी जो अपनी प्रसिद्ध पंक्ति ष्द पेन इज माइटियर देन द स्वार्ड'' के लिए जाना जाता है, इस बात पर जोर देता है कि संचार, विशेष रूप से - लिखित, हिंसा के प्रत्यक्ष प्रदर्शन की तुलना में अधिक प्रभावी और शक्तिशाली उपकरण है. व्हाट्सएप आधुनिक समय का ''कलम और प्रेस'' दोनो है, जहां जनता लिख रही है, संपादित कर रही है और प्रभावित भी कर रही है.

आधुनिक दिनों में, ''गेम आफ थ्रोन्स'' को ''गेम आफ फोन'' में बदल दिया गया है और व्हाट्सएप नया ''रेवेन'' है. एक रैवेन जो लोगों के लड़ने के तरीके को बदलने की क्षमता के साथ उनकी सोचने के तरीके को भी बदल सकता है. आज के राजनीतिक महाभारत में, व्हाट्सएप नया ब्रह्मस्त्र है - एक अंतिम हथियार जो कुछ भी बना या नष्ट कर सकता है, यहां तक कि विश्वास, विश्वास और विचारधारा भी.

व्हाट्सएप वाक्यांश पर एक वाक्य के रूप में 13 वर्ष पहले शुरू इस ऐप को आज 180 देशों में, 2 अरब से भी ज्यादा लोग इस्तेमाल करते हैं. व्हाट्सएप ने जनमत निर्माण के लोकतंत्रीकरण का नेतृत्व किया है, विशेषकर तीसरी दुनिया के देशों में,जहां बहुत कम लोगों के पास जनता की राय को आकार देने की शक्ति और क्षमता है. आजकल, लोग न केवल राजनीतिक बल्कि सामाजिक, आर्थिक, आध्यात्मिक और कई अन्य विचारों के संपर्क में हैं. व्हाट्सएप की वास्तविक समय में सूचनाओं और समाचारों को साझा करने की उपयोगिता ही इसे समाचार पत्रों और टीवी जैसे पारंपरिक समाचार साझा करने वाले माध्यमों का एक प्रमुख प्रतियोगी बनाता है. व्हाट्सएप मानवता को बिना सीमाओं के दुनिया की ओर ले जा रहा है. आज अफ्रीका के एक सुदूरवर्ती गांव में इलाज करा रहा कोई मरीज न्यूयार्क में बैठे सर्वश्रेष्ठ डाक्टरों की सलाह का लाभ उठा रहा है, वहीं जैविक खेती पर काम करने वाले एक शोधकर्ता, पूरी दुनिया में फैले कृषि शोधकर्ताओं के ग्रुप में शामिल है. भारतीय संदर्भ में, पूरे सामाजिक और राजनीतिक विमर्श पर व्हाट्सएप का प्रभुत्व है. तेजी से बढ़ते भारतीय मध्यम वर्ग और निम्न मध्यम वर्ग ने व्हाट्सएप के माध्यम से राय बनाकर विचारों की व्याख्या की है और व्यक्त भी किया है. अधिकांश व्यवहार और राजनीतिक वैज्ञानिकों द्वारा अभी तक अनजान इस कठोर परिवर्तन को अब व्यापक रूप से स्वीकार और स्वीकार किया जाता है कि यह भविष्य की राजनीतिक रणनीति तैयार करने और सामाजिक लामबंदी के लिए एक आवश्यक माध्यम होगा.

हाल के चुनावों में वास्तविक युद्ध क्षेत्र सोशल मीडिया था और व्हाट्सएप का सक्रिय रूप से राजनीतिक दलों के विचारों, योजना और कार्यक्रम का प्रसार करने के लिए उपयोग किया गया और इसकी गति और पहुंच किसी भी सीमा से परे थी. यह क्रांति राजनीतिक दलों को उनके और नागरिकों के बीच की दूरी को कम करके मदद कर रही है. अच्छी बात यह है कि व्हाट्सएप का व्यापक रूप से सरकार और लोगों द्वारा नीति निर्माण और उसके निष्पादन में उपयोग किया जा रहा है. उदाहरण के लिए, शिक्षा क्षेत्र में, प्रोफेसर, शिक्षक और छात्र व्हाट्सएप समूह बनाते हैं.

और रीयल टाइम में नोट्स, सूचना और ज्ञान साझा करते हैं. लाइव व्याख्यान में सार्वभौमिक शिक्षा प्रदान करने और संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में समय, स्थान और लागत की कमी को दूर करने की क्षमता है. व्हाट्सएप पर रक्तदान समूह जरूरतमंदों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने में बहुत अच्छा काम कर रहे हैं. कई छोटे व्यापारी सुदूर अंचलों से अपना कारोबार इसी माध्यम से चलकर आजीविका अर्जित कर रहे हैं, वो भी लगभग मुफ्त. शादियों के रिश्ते तय भी हो रहे हैं और टूट भी रहे हैं. व्हाट्सएप शासन के एक प्रभावी उपकरण और जवाबदेही और पहुंच सुनिश्चित करने के लिए एक उपकरण के रूप में विकसित हुआ है और अधिकांश अधिकारी व्हाट्सएप के माध्यम से आपस में जुड़े हुए हैं.

रियल-टाइम लोकेशन शेयरिंग फीचर ने महिलाओं को सशक्त बनाया है वहीं महिलाओं की अंतरंग तसवीरें और वीडियो भी वायरल किये गए हैं. हालांकि यह निश्चित रूप से एक संचार क्रांति है, पर इसका दुरुपयोग भी हुआ है. फर्जी खबरों और अफवाहों ने दंगे भड़काए हैं और जानें ली हैं. भूतपूर्व छात्रों ने ग्रुप बनाकर पुरानी प्रेमिकाओं (अब शादीशुदा) से फिर से प्रेम का इजहार किया है और खाने की टेबल से ज्यादा "हैप्पी फॅमिली" ग्रुप में सुख और दु:ख साझा किया जाता है. किसी सामाजिक ग्रुप के एडमिन ने कक्षा के मानिटर जैसे लोगों को ग्रुप से बाहर किया है तो कुछ ने गुस्से से ग्रुप छोड़ा है. व्यापारी, अधिकारी और नेताओं ने गोपनीयता के लिए व्हाट्सएप को ही चुना है. कहा जा सकता है की ये ही नया समाज और युद्ध स्थल है.

वैसे व्हाट्सएप ने फर्जी खबरों पर अखबारों में विज्ञापनों से लेकर संदेशों की संख्या को पांच तक सीमित करने के लिए भी कई पहल शुरू की है पर क्या वजह है कि व्हाट्सएप ने इंसानों और संस्थानों के अंदर एक प्रमुख स्थान हासिल कर लिया है? यह तथ्य कि संचार गोपनीय, आसान, लगभग मुफ्त, निजी, सुरक्षित, एन्क्रिप्टेड, प्रत्यक्ष और सत्यापन योग्य है, जो इसे प्रामाणिक और विश्वसनीय बनाता है?

उज्ज्वल दीप

सुशांत सिंह राजपूत की मौत के दो साल बाद रिया चक्रवर्ती को हुआ 'बंटी' से प्यार...

मुंबई. सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद रिया चक्रवर्ती अपनी लाइफ में आगे बढ़ते दिख रही हैं. उन्होंने बीती बातें को भूलते हुए बंटी सजदेह के साथ रिलेशन रखा है. सुशांत के निधन के दौरान रिया ने भी कई उतार चढ़ाव देखे. इस दौरान ही बंटी ने उनका साथ दिया और दोनों में नजदीकी बढ़ी. अब दोनों डेट पर हैं.

आपको बता दें, बंटी सजदेह सीमा सजदेह के भाई हैं. बंटी खेल और मनोरंजन के क्षेत्र में सबसे बड़ी टैलेंट मैनेजमेंट कंपनियों में से एक के मालिक हैं. बताया जा रहा है कि दोनों एक दूसरे को लंबे समय से जानते हैं. लेकिन दोनों को लेकर कहा जा रहा है कि उन्होंने हाल ही में एक दूसरे को डेट करना शुरू किया है. हालांकि दोनों की तरफ से इसे लेकर कुछ नहीं कहा गया है.

बता दें कि सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद रिया पर सुशांत को ड्रग देने का आरोप था. सुशांत के परिवार की ओर से रिया पर परेशान करने, पैसों के लिए उन्हें टॉर्चर करने और सुशांत की हत्या में लिप्त होने का आरोप लगाया गया था. इसके अलावा और भी कई आरोप थे जिसके बाद लगातार पुलिस और मीडिया दवाब डाल रही थी.इस बारे में बंटी से भी पूछताछ हुई लेकिन बंटी ने साथ नहीं छोड़ा और अब वह रिलेशन में है.

बच्चों के साथ करें ये 3 योगासन, बचपन से डालिये बच्चों में योग की हैबिट

बच्चों के साथ इन योगासनों का अभ्यास करने से वे शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत भी बनते है. योग करने से बच्चों का दिमाग शांत रहता है और वे खुश रहते हैं. अब सवाल यह उठता है कि आप बच्चों के साथ किन योगासनों का अभ्यास कर सकते हैं? आज हम आपको ऐसे 3 योगासनों के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आप और आपके बच्चे दोनों आसानी से कर सकते हैं.,

> योग करना शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों के लिए बहुत फायदेमंद होता है. इसके अलावा योग का आध्यात्मिक महत्व भी है. क्या आप जानते हैं योग करना सिर्फ वयस्कों के लिए ही नहीं बल्कि बच्चों के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है? ऐसे कई योगासन हैं जिनका अभ्यास आप अपने बच्चों के साथ भी कर सकते हैं.

1- बालासन

बालासन का अभ्यास करने से पेट संबंधी समस्याओं को दूर करने में मदद मिलती है. अभ्यास के दौरान आपकी पीठ में खिंचाव आता है और और रीढ़ का आराम पहुंचाता है. यह आपकी मांसपेशियों के दर्द को कम करने में मदद करता है. बालासन करने से बच्चे शांत और खुश महसूस करते हैं.

ऐसे करें अभ्यास

1) बालासन करने के लिए सबसे पहले आप वज्रासन की मुद्रा में सीधे बैठ जाएं. ध्यान रखें कि आपकी कमर सिर के सीध में हो.

2) फिर अपने दोनों हाथों को सिर की सीध में ऊपर की तरफ लेकर जाएं. इस दौरान आपको अपने दोनों हाथों को मिलाना नहीं हैं.

3) अब सांस छोड़ते हुए आगे की तरफ जाते हुए हथेलियां जमीन की तरफ लेकर जाएं. फिर सिर को भी जमीन पर रख दें. कुछ देर इस मुद्रा में रहें और फिर इसे दोहराएं.

2- सेतुबंधासन

इस योगासन का अभ्यास करने से छाती, गर्दन और पीठ को स्ट्रेच करने में मदद मिलती है. मन शांत रहता है, साथ ही तनाव और अवसाद जैसी समस्याओं से छुटकारा मिलता है. यह पाचन को बेहतर बनाने और पैरों को मजबूत बनाने में भी मदद करता है. इसका अभ्यास करने बच्चे का शारीरिक और मानसिक विकास बेहतर होता है.

ऐसे करें अभ्यास

1) सेतुबंधासन का अभ्यास करने के लिए सबसे पहले चटाई पर लेट जाएं. पीठ के बल लेटने के बाद सामान्य रूप से सांस अंदर और बाहर लें.

2) इसके बाद अब आप अपने पैरों को घुटनों से मोड़कर एड़ियों को हिप्स के पास लेकर जाएं. अबअपनी हिप्स को जमीन से ऊपर की तरफ उठाएं.हाथों को जमीन पर रखें.

3) कुछ देर के लिए इस स्थिति में रहें और अपनी सांसों को रोककर रखें.इसके बाद अब धीरे-धीरे अपनी सांसों को छोड़ते हुए वापस सामान्य मुद्रा में आएं. इसका 4 से 5 बार अभ्यास करें.

3- मार्जरी आसन

मार्जरी आसन का अभ्यास करने से सांस लेने की प्रक्रिया बेहतर होती है. साथ ही यह धड़ और गर्दन को फैलाने और रीढ़ की हड्डी लचीला बनाने में मदद करता है और आंतरिक अंगों को भी स्वस्थ रखने में भी मदद करता है. इसके अलावा यह आपके बच्चे के दिमाग को शांत करता है और फोकस को बेहतर बनाता है.

ऐसे करें अभ्यास

1) मार्जरी आसन का अभ्यास करने के लिए सबसे पहले वज्रासन में बैठ जाएं और अपने दोनों हाथों को अपनी जांघों पर रखें.

2) अब दोनों पैरों को कंधे की चौड़ाई की सीध में रखें और घुटनों के बल खड़े हो जाएं. अपने दोनों हाथों को आगे की ओर रखें. इसमें आपकी पोजीशन टेबल की तरह दिखेगी.

3) अब अपनी उंगलियों को खोलें और पैरों के पंजों को जमीन पर फ्लैट रखें.अब सांस लेते हुए अपनी कमर पर नीचे की ओर दबाव डालें. सांस छोड़ते हुए अपने शरीर को आगे की ओर स्ट्रेच करें. कुछ सेकेंड्स के लिए पोजीशन में रहें, उसके बाद धीरे-धीरे वापस सामान्य मुद्रा में आएं और शरीर को आराम दें.

आपको भी है रात में मोजा पहन कर सोने की आदत? तो आज से इसे बदले

ठंडी के मौसम में कुछ लोगो को बहुत ज्यादा ठंड लगती है, तो कुछ को बहुत कम. जिन लोगो को ज्यादा ठंड लगती है वो लोग रात में सोते समय सिर से लेकर पैर तक खुद को पूरा कवर कर लेते हैं ताकि बॉडी के किसी पार्ट को ठंड न लगे.

आप भी अगर इनमें से एक हैं और रात में पैरों में मोजा पहन कर सोते हैं तो ये आपके लिए खतरनाक हो सकता है. क्योंकि पूरी रात पैरो पर मोजा होने से ब्लड सर्कुलेशन प्रभावित होता है तो कई बार इंफेक्शन का खतरा भी हो जाता है. तो आइए जानते हैं कि रात को मोजा पहन कर सोने से और किस तरह से नुकसान हो सकता है.

ब्लड सर्कुलेशन में रुकावट

मोजे पहनकर सोने से ब्लड सर्कुलेशन धीमे हो जाता है, जो आपके लिए काफी खतरनाक साबित हो सकता है. टाइट सॉक्स पहनने से भी ऐसा होता है. यह आपके शरीर में रक्त प्रवाह में रुकावट उत्पन्न करता है. इसलिए सोते वक्त भूलकर भी मोजे ना पहनें.

नसों में पड़ सकती है गांठ

टाइट मोजे पहनकर सोने से आपके पैरों की नसों में गांठ पड़ने का खतरा रहता है. दरअसल, टाइट मोजे से जब खून का दबाव इन नसों पर पड़ता है, तो वो खून को आगे बढ़ाने के लिए जगह बनाने की कोशिश करती हैं. जिसके चलते नसों में मुड़ाव आ जाता है और गांठ पड़ने का खतरा बढ़ जाता है.

दिल पर पड़ता है बुरा प्रभाव

रात में सोते समय टाइट मोजे पहनने से पैरों की नसों पर दबाव पड़ता है, जिससे हार्ट जब ब्लड पंप करता है तो उसे ज्यादा जोर लगाने की जरूरत पड़ती है. जिससे हार्ट पर बुरा प्रभाव पड़ता है. ऐसे में आपको रात में सोते वक्त सॉक्स पहनकर नहीं सोना चाहिए.

इंफेक्शन का डर

सोते समय सॉक्स पहनना या ज्यादा देर तक मोजा पहनने से आपके शरीर का तापमान बढ़ जाता है. पैरों में पसीना आना शुरु हो जाता है, जिससे फंगल इंफेक्शन होने का डर बन जाता है. साथ ही नियमित तौर पर सॉक्स पहनने के लिए काटन सॉक्स को चुनें, जो आपके पैर में होने वाले पसीने को सोख लेता है और इंफेक्शन से बचाता है.

हाइजीन संबंधी परेशानी

सर्दियों के मौसम में लोग दिनभर सॉक्स पहनकर इधर-उधर घूमते हैं, जिससे धूल और मिट्टी चिपक जाती है. यदि आपके सॉक्स साफ नहीं हैं तो इससे संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है और दुर्गंध आने लगती है. ऐसे में इन मोजो को पहन कर सोने से संक्रमण का खतरा अधिक रहता है.

मीठा खाने का हो रहा है मन तो बना लीजिए स्वादिष्ट रबड़ी मालपुआ, जानिए इसकी आसान रेसिपी यहां

मीठा खाना भला किसे पसंद नहीं होगा. विशेष रूप से घर के बुजुर्गों को तो मीठा बहुत ज्यादा पसंद होता है. बाजार से अक्सर हम कोई न कोई मिठाई ले ही आते हैं पर अगर आप घर पर ही मीठे में कुछ बनाने पर विचार कर रहे हैं, तो हम आपके लिए लेकर आए हैं रबड़ी मालपूआ बनाने की रेसिपी. ठंड के इस मौसम में गरमा गरम रबड़ी, मालपुआ की तो बात ही कुछ और है. और अच्छी बात ये है कि इसे आसानी से घर पर तैयार भी किया जा सकता हैं और भोग भी लगाया जा सकता हैं. इसे बनाने में करीब 45 मिनट का समय लगता हैं. भोग के तौर पर रबड़ी मालपूआ बेहतरीन आप्शन बनेगा. तो आइए जानते हैं इसकी रेसिपी.

रबड़ी के लिए सामग्री

दूध – 1 लीटर
चीनी – 225 ग्राम
केसर – 1/2 टीस्पून
इलायची पाऊडर – 1 टीस्पून
पिस्ता – 1 टेबलस्पून
बादाम – 1 टेबलस्पून
चाशनी के लिए सामग्री
चीनी – 500 ग्राम
पानी – 300 मिलीलीटर
केसर – 1/2 टीस्पून
इलायची पाऊडर – 1 टीस्पून
मालपुआ के लिए सामग्री
मैदा – 150 ग्राम
खोया – 170 ग्राम
पाऊडर चीनी – 2 टीस्पून
सौंफ – 1 टीस्पून
पानी – 280 मिलीलीटर
घी – फ्राई करने के लिए

रबड़ी बनाने की विधि

1) रबड़ी बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में 1 लीटर दूध गर्म करें और इसे धीमी आंच पर उबाल लें.
2) इसके बाद 225 ग्राम चीनी, 1/2 टीस्पून केसर, 1 टीस्पून इलायची पाऊडर, 1 टेबलस्पून पिस्ता और 1 टेबलस्पून बादाम डालकर अच्छी तरह मिक्स करके 2-3 मिनट तक पका लें.
3) अब एक बाउल में रबड़ी को निकालें और इसे 1 घंटे के लिए रेफ्रिजरेट में ठंडा होने के लिए रखें, आपकी रबड़ी तैयार है.

चाशनी बनाने की विधि

1) चाशनी बनाने के लिए एक पैन में 500 ग्राम चीनी और 300 मिलीलीटर पानी मिक्स करें.
2) इसके बाद इसमें 1/2 टीस्पून केसर और 1 टीस्पून इलायची पाऊडर डालकर अच्छी तरह मिलाएं और 7-8 मिनट के लिए उबाल लें. आपकी चाशनी तैयार है. अब इसे एक साइड पर रख दें.

मालपुआ बनाने की विधि

1) मालपुआ बनाने के लिए सबसे पहले एक बाउल में 150 ग्राम मैदा, 170 ग्राम खोया, 2 टीस्पून चीनी, 1 टीस्पून सौंफ और 280 मिलीलीटर पानी डालकर साफ्ट मिश्रण तैयार कर लें.

2) अब इसे 30 मिनट तक मेरिनेट होने के लिए रख दें. अब उस मिश्रण से मालपुए बनाएं. एक पैन में तेल गर्म करके इसमें उन्हें क्रिस्पी और गोल्डन ब्राउन होने तक धीमी आंच पर अच्छी तरह फ्राई करें.

3) फ्राई करने के बाद इसे निकालकर टिशू पेपर पर रखें और इसके ऊपर चाशनी डालें. अब इसे प्लेट या बाउल में डालकर रबड़ी, बादाम और पिस्ता के साथ गार्निश करें. आपकी रबड़ी मालपुआ बनकर तैयार है. इसका भोग लगाए और सर्व करें.

फोर्ब्स की लिस्ट में 3 भारतीय:पूरे एशिया में नहीं अडानी से बड़ा कोई दानवीर

मुंबई. अमेरिका की मशहूर बिजनेस मैगजीन फोर्ब्स ने हाल ही में एशिया के सबसे बड़े दानवीरों की लिस्ट जारी की है. इस लिस्ट में 3 भारतीयों के नाम शामिल हैं, जिसमें भारत के दिग्गज बिजनेसमैन गौतम अडानी टाप पर हैं. इस लिस्ट के मुताबिक अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने इस साल 60,000 करोड़ रुपए परोपकार के कार्यों में लगाए. अडानी के अलावा इस लिस्ट में भ्ब्स टेक्नोलॉजीज के शिव नादर और हैपिएस्ट माइंड्स टेक्नोलॉजीज के अशोक सूता को भी जगह मिली है. इसके अलावा मलेशियाई-भारतीय बिजनेसमैन ब्राह्मल वासुदेवन और उनकी वकील पत्नी शांति कंडिया का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है. दोनों भारत और मलेशिया में दान पर करोड़ों दे रहे हैं.

60वें जन्मदिन पर की थी 60 हजार करोड़ रुपए दान करने की घोषणा

अडानी ग्रुप के संस्थापक 60 वर्षीय गौतम अडानी इस समय एशिया के सबसे अमीर और दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति हैं. उन्होंने इसी साल जून में 60 साल की उम्र पूरी होने पर सोशल वर्क के तौर पर 60 हजार करोड़ रुपए खर्च करने की बात कही थी. अडानी ने दावा किया है कि उनके इन पैसों को हेल्थ, एजुकेशन और स्कील डेवलपमेंट पर खर्च किया जा रहा है. बता दें कि अडानी ग्रुप देश का सबसे बड़ा पोर्ट ऑपरेटर समूह है.

इस साल 11,600 करोड़ रु. दान कर चुके हैं शिव नादर

अब बात करते हैं इस लिस्ट में शामिल दूसरे नाम की जो एचसीएल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड, शिव नादर फाउंडेशन के फाउंडर तथा चेयरमैन इमेरिटस शिव नादर का है. 70 वर्षीय शिव नादर ने इस साल 11,600 करोड़ रुपए दान किए हैं. इस रकम से स्कूल और कॉलेज बन रहे हैं. बताते चलें कि शिव की गिनती भारत के शीर्ष दानदाताओं में की जाती है. शिव नादर ने बीते कुछ दशकों में अपनी संपत्ति का लगभग 1 बिलियन डालर शिव नादर फाउंडेशन के जरिए सामाजिक कारणों में लगाया है.

अशोक सूता ने रिसर्च के लिए दान किए 600 करोड़ रुपए

इसी लिस्ट में तीसरे भारतीय हैं हैप्पिएस्ट माइंड्स के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन अशोक सूता. 80 वर्षीय सूता ने चिकित्सा अनुसंधान के लिए 600 करोड़ रुपए दान दिए हैं. उन्होंने उम्र बढ़ने और न्यूरोलॉजिकल बीमारियों के अध्ययन के लिए अप्रैल 2021 में यह मेडिकल रिसर्च ट्रस्ट बनाया था. अशोक सूता को व्यापक रूप से भारतीय आईटी सेक्टर के अग्रणी लीडर्स में से एक माना जाता है.

जनवरी 2023 से महंगी हो जाएंगी Maruti Suzuki की गाड़ियां

मुंबई. देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड हाल ही में अपनी कारों की कीमतें बढ़ाने का ऐलान कर चुकी है. कंपनी जनवरी 2023 से अपने सभी मॉडलों की कीमतों को बढ़ाने जा रही है. हालांकि, इससे पहले कि कंपनी अपनी गाड़ियों पर नई कीमतें लागू करे इससे पहले मारुति सुजुकी इस महीने अपनी कई कारों पर भारी डिस्काउंट दे रही है. इन ऑफर्स में कार्पोरेट डिस्काउंट, कैश डिस्काउंट और एक्सचेंज बेनिफिट समेत कई छूट शामिल हैं. तो अगर आप दिसंबर में गाड़ी खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो यह ऑफर आपके लिए काफी फायदेमंद है..

आल्टो K10 पर मिलेगी 50 हजार से ज्यादा की छूट

कंपनी इस वक्त अपनी सबसे छोटी कार Alto K10 पर सबसे बड़ी छूट दे रही है. नई पीढ़ी की आल्टो K10 पर दिसंबर में 52 हजार रुपए तक का डिस्काउंट मिल रहा है. इसमें 30 हजार रुपए तक की नकद छूट, 15 हजार रुपए तक का एक्सचेंज बोनस और 5 हजार रुपए तक की कार्पोरेट छूट जैसे लाभ शामिल हैं. वहीं आटोमैटिक वेरिएंट पर 22 हजार रुपए तक का डिस्काउंट मिल रहा है. सीएनजी वेरिएंट पर 45,100 रुपए की छूट पा सकते हैं.

सीलेरियो पर भी जबरदस्त डिस्काउंट

इसके अलावा कंपनी की 5 सीटर हैचबैक कार मारुति सेलेरियो पर भी कुल 46 हजार रुपए का डिस्काउंट मिल रहा है. कंपनी इस कार के सीएनजी वैरिएंट पर 45,100 रुपए तक की छूट और आटोमैटिक वेरिएंट पर 21 हजार रुपए तक का डिस्काउंट दे रही है. इसके अलावा मारुति वैगनआर और आल्टो 800 पर 42 हजार रुपए तक की छूट मिल रही है. स्विफ्ट हैचबैक और डिजायर सब-काम्पैक्ट सेडान पर भी 32 हजार रुपए तक की छूट पा सकते हैं.

इन कारों पर नहीं है कोई छूट

अगर आप भी मारुति सुजुकी कार खरीदने का मन बना रहे हैं तो इस ऑफर के बारे में डिटेल जानकारी पाने के लिए आप नजदीकी डीलर या आफिशियल वेबसाइट पर विजिट कर सकते हैं. इसी के साथ आपको बता दें कि कंपनी के ये आफर्स नई लॉन्च की गई ग्रैंड विटारा, ब्रेजा, एर्टिगा और एक्सएल 6 जैसी गाड़ियों पर लागू नहीं होते.

अभी तय नहीं हैं नई कीमते

वहीं बात करें कंपनी के इस प्राइज हाइक की तो इस बात की जानकारी मारुति सुजुकी ने शुक्रवार को एक्सचेंज फाइलिंग में दी है. हालांकि, अभी तक कंपनी ने यह साफ नहीं किया कि उन्होंने किस मॉडल पर कितना रेट बढ़ाया है.

यह रही रेट बढ़ाने की वजह

कार कंपनी ने कहा कि वह इन्फ्लेशन और रेगुलेटरी रिक्वायरमेंट्स के कारण कास्ट प्रेशर के चलते सभी मॉडलों की कीमतें बढ़ाने का प्लान किया है. इससे एक दिन पहले ही मारुति सुजुकी ने नवंबर 2022 के अपने आटो सेल्स के आंकड़े जारी किए थे. बता दें कि नवंबर में कंपनी ने टोटल 1,59,044 यूनिट्स की सेल्स की है, जो पिछले साल नवंबर के आंकड़ों 1,39,184 यूनिट्स से 14% ज्यादा है.

तीखा खाना खाने से आई ऐसी खांसी कि टूट गईं चार पसलिया

क्या खांसने से भी किसी की हड्डी टूट सकती है... अब आप कहेंगे ये क्या मजाक है भाई... लेकिन चीन के शंघाई में रहने वाली एक महिला के साथ कुछ ऐसा ही हुआ है. महिला को इतनी तेज खांसी आई कि उसकी चार पसलियां ही टूट गईं.

महिला ने बताया, जब उसे खांसी हुई तो उसने अपने सीने में से चटकने की आवाज सुनी. महिला ने तब तो इस आवाज के बारे में ज्यादा नहीं सोचा लेकिन हालांकि, बाद में जब उसे बात करने और सांस लेने में दर्द महसूस हुआ तब उसने डॉक्टर को दिखाने का सोचा. जब सीटी स्कैन किया गया तो पता चला कि हुआंग की चार पसलियां टूट गई हैं. डाक्टर ने महिला को बैंडेज लगाया है और एक महीने बेड रेस्ट की सलाह दी है.

पतले होने की वजह से टूटीं पसलिया

डाक्टरों के अनुसार, 5 फीट 6 इंच लंबी इस महिला का वजन काफी कम होने के कारण उसकी पसलियों को खांसते वक्त मांसपेशियों से सपोर्ट नहीं मिला था. महिला का वजन केवल 57 किलो है. डाक्टर ने कहा कि महिला अपने ऊपरी शरीर से बेहद ही पतली है. और स्किन के बाहर से पसलियां दिखाई देती हैं. महिला के शरीर में हड्डी को सहारा देने के लिए कोई मांसपेशी नहीं थी, इसलिए खांसी होने पर उसकी पसलियों में फ्रैक्चर हुआ. महिला ने कहा है कि वह ठीक होने के बाद अपनी मांसपेशियों और शरीर के वजन को बढ़ाने के लिए और अधिक शारीरिक व्यायाम करेंगी.

"बाबा वेंगा की भविष्यवाणी में कहा गया है कि 2023 में पृथ्वी पर किसी और ग्रह से आए शक्तियों का अटैक हो सकता है. 2023 में माता-पिता लैब में बनने वाले बच्चों के त्वचा का रंग और अन्य शारीरिक विशेषताओं को तय करने में सक्षम होंगे."

एलियन का अटैक होगा या सुनामी से खत्म हो जाएगी दुनिया!

बाबा वेंगा ने कई रहस्यमय और अविश्वसनीय भविष्यवाणियां की हैं. बाबा वेंगा ने 2023 के लिए भी कई प्रिडिक्शन किए हैं. 2023 के लिए बाबा वेंगा की भविष्यवाणियों में कुछ अजीबोगरीब वैज्ञानिक अविष्कार भी शामिल हैं, जिनमें एक लैब बेबी का जन्म होने का भी जिक्र है. इस भविष्यवाणी में पृथ्वी की कक्षा में बदलाव शामिल है, जोकि परमाणु हमले के कारण हो सकता है. साल 2023 में पृथ्वी पर कई ऐसे परिवर्तन हो सकते हैं जिनके विनाशकारी प्रभाव होंगे. आइए जानते हैं बाबा वेंगा की भविष्यवाणियों के बारे में...

- बाबा वेंगा के अनुसार 2023 में सौर तूफान या सौर सुनामी आ सकती है, जिसके कारण पृथ्वी की चुंबकीय शक्ति खत्म हो जाएगी.

- बाबा वेंगी की भविष्यवाणी में कहा गया है कि पृथ्वी पर एलियन अटैक हो सकता है. जिसमें लाखों लोग मारे जाएंगे.

- बाबा वंगा की 2023 की भविष्यवाणियां ये भी कहती हैं कि पृथ्वी की कक्षा बदल जाएगी. इससे जलवायु में बड़े पैमाने पर परिवर्तन हो सकता है. अगर बाबा वंगा की भविष्यवाणी सच होती है, तो कोरोना के बाद राहत का इंतजार कर रहे पृथ्वीवासियों को अगले साल भी विनाशकारी घटनाएं देखनी पड़ सकती हैं.

- 2023 में इंसान बच्चों को पैदा करने का पारंपरिक तरीका छोड़कर नया तरीका अपना सकते हैं. 2023 में लैब में बनने वाले बच्चे की त्वचा का रंग और उनकी शारीरिक विशेषताएं उनके माता-पिता तय कर पाएंगे.

- बिजली संयंत्र में विस्फोट से जहरीले बादल दुनियाभर में फैल सकते हैं जो एशिया के पूरे महाद्वीप को कोहरे की तरह छा जाएंगे. दूसरे देश भी इस परिवर्तन के कारण गंभीर बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं.

कौन थे बाबा वेंगा

बाबा वेंगा बुल्गारिया के एक प्रसिद्धि भविष्यवक्ता थे. उन्हें नास्त्रेदमस के रूप में भी जाना जाता है. उन्होंने 12 साल की उम्र में ही अपनी आंखों की रोशनी खो दी थी. बावजूद इसके उन्हें भविष्य में देखने की दुर्लभ शक्ति मिली थी. बाबा वेंगा की भविष्यवाणियां 85 प्रतिशत सही बताई जाती हैं. उन्होंने 5079 तक की भविष्यवाणियां की हैं. इस साल के बारे में उन्हें विश्वास था कि दुनिया इस समय खत्म हो जाएगी. बाबा वेंगा की 1996 में मौत हो गई थी.

रायपुर में होगा पहला अंतरराष्ट्रीय भारत-न्यूजीलैंड वनडे क्रिकेट मैच

छत्तीसगढ़ पहली बार अंतरराष्ट्रीय वनडे क्रिकेट मैच के रोमांच का गवाह बनने जा रहा है. रायपुर को भारत-न्यूजीलैंड की वनडे सीरीज के एक मैच की मेजबानी मिली है. यह मैच 21 जनवरी को शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेला जाना है. इसे छत्तीसगढ़ की क्रिकेट संभावनाओं को लेकर बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है.

न्यूजीलैंड की क्रिकेट टीम अगले साल भारत दौरे पर आ रही है. इस दौरे में तीन वन डे और तीन टी-20 मैच खेले जाने हैं. भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड-BCCI की दौरा एवं कार्यक्रम निर्धारण समिति की बैठक में हुई. इसमें न्यूजीलैंड दौरे को अंतिम रूप दिया गया. सिरीज के कार्यक्रम की अभी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है. लेकिन छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ को बता दिया गया है कि इस बार एक मैच रायपुर में खेला जाना है.

छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के सचिव मुकुल तिवारी ने दैनिक भास्कर को बताया, संघ ने BCCI के सचिव के जय शाह से खास तौर पर अंतरराष्ट्रीय वनडे मैच की मेजबानी देने का आग्रह किया था. पिछले ट्रैक रिकार्ड को देखते हुए BCCI ने यह आग्रह मान लिया है. अब 21 जनवरी को नवा रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में भारत के साथ न्यूजीलैंड का मुकाबला होगा. यह छत्तीसगढ़ क्रिकेट के लिए बड़ा अवसर है. इसके लिए हम पूरी तैयारी कर रहे हैं.

यहां-यहां होंगे सीरीज के मैच

BCCI से जुड़े सूत्रों का कहना है कि न्यूजीलैंड सीरीज का पहला वनडे 18 जनवरी को हैदराबाद में खेला जाएगा. दूसरा मैच 21 जनवरी को रायपुर में होगा. इस सीरीज का तीसरा और निर्णायक मैच 24 जनवरी को इंदौर में होना है. अभी इस तरह के मैच की मेजबानी कर चुका है रायपुर वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम ने 2013 में IPL के दो मैच की मेजबानी की थी. 2014 में यहां टी-20 चौलेंजर ट्राफी के मैच हुए. 2015 में दूसरी बार IPL खेला गया. 2016 से लगातार रणजी ट्राफी के मैच, सैय्यद मुस्ताक अली टी-20 ट्राफी के मैच खेले जाते रहे हैं. पिछले दो साल से यहां रोड सेफ्टी क्रिकेट सीरीज के मैच भी आयोजित हो रहे हैं.

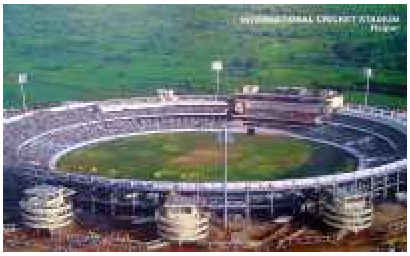

रायपुर में लगेंगे चौके-छक्के

रायपुर में पहली बार इंडियन क्रिकेट टीम मैच खेलते नजर आएगी. विराट कोहली छक्के लगाएंगे और रोहित शर्मा चौका. राजधानी के वीर नारायण सिंह स्टेडियम को इंटरनेशनल क्रिकेट के लिए तैयार किया जा रहा है. प्रदेश के क्रिकेट इतिहास में पहली बार BCCI ने प्रदेश को एक अंतराष्ट्रीय मुकाबले की मेजबानी सौंपी है. ये मुकाबला टीम इंडिया और न्यूजीलैंड के खिलाड़ियों के बीच होना है. साल 2023 के जनवरी के महीने में न्यूजीलैंड के खिलाड़ी इंडिया आ रहे हैं. मेन ब्लू फौज के साथ ये खिलाड़ी भिड़ेंगे और इनका एक मैच रायपुर में होगा. इसकी आधिकारिक पुष्टि छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ ने की है. संघ की तरफ से बताया गया है कि 21 जनवरी 2023 को शहीद वीर नारायण सिंह क्रिकेट स्टेडियम परसदा में मैच होगा.

जय शाह ने दी हरी झंडी

छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के अध्यक्ष जुबीन शाह और सचिव मुकुल तिवारी ने बताया कि संघ ने बी.सी.सी.आई. से लगातार इस बात की मांग की थी कि प्रदेश के इंटरनेशनल मैच कराए जाएं. आखिरकार एक मैच की मंजूरी BCCI सेक्रेट्री जय शाह ने दी है.

टीम इंडिया बांग्लादेश से हारी

टीम इंडिया का ताजा मुकाबला बुधवार को बांग्लादेश से हुआ. मेहदी हसन ने वनडे सीरीज के दोनों मैच में शानदार प्रदर्शन करके बांग्लादेश को यादगार जीत दिलाई. टीम ने भारत के खिलाफ 3 मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है. बुधवार को खेले गए दूसरे मुकाबले में मेजबान टीम ने भारत को 5 रन से हराया. मेहदी ने पहले नाबाद 100 रन बनाए, फिर इस ऑफ स्पिनर ने 2 विकेट भी झटके. बांग्लादेश ने पहले खेलते हुए 7 विकेट पर 271 रन बनाए. जवाब में टीम इंडिया 9 विकेट पर 266 रन ही बना सकी.

कुछ महीने पहले हुई थी रोड सेफ्टी सीरीज

रायपुर में अक्टूबर माह में रोड सेफ्टी वर्ल्ड क्रिकेट सीरीज मैच खेला गया था. फाइनल मुकाबला जीत कर इंडिया लीजेंड्स ने एक बार फिर से सीरीज पर कब्जा किया था. इंडिया ने श्रीलंका को 33 रनों से हराया था. यह मैच रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम में खेला गया था. नमन ने जहां शतकीय पारी खेली थी. वहीं विनय कुमार 3, अभिमन्यु 2 विकेट झटके थे. इससे पहले शनिवार रात फाइनल मैच को देखने छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल स्टेडियम पहुंचे तो दर्शक छत्तीसगढ़ी में बोले आ गे कका.. (आ गए काका). सीएम ने लोगों का अभिवादन स्वीकारा. वो ग्राउंड में उतरे लोगों को हाथ हिलाकर हाय कहते दिखे थे. इसके बाद मैदान में सचिन के साथ मुख्यमंत्री दिखे थे. पूरी टीम से भूपेश बघेल मिले. सभी खिलाड़ियों से हाथ मिलाकर उनका हौसला बढ़ाया. श्रीलंका लीजेंड्स के खिलाड़ियों से भी मुख्यमंत्री मिले.

भानुप्रतापपुर का चुनाव परिणाम 2023 का आभास : कांग्रेस

रायपुर. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि भानुप्रतापपुर चुनाव 2023 के विधानसभा चुनाव की भनक है. 2023 के विधानसभा चुनाव में 11 महीने का समय बचा है ऐसे में भानुप्रतापपुर चुनाव परिणाम राज्य की जनता के मूड को समझने के लिए पर्याप्त है. जनता कांग्रेस सरकार के चार साल के कामों, सरकार की योजनाओं और उनके क्रियान्वयन से खुश है. जनता 2023 में एक बार फिर से छत्तीसगढ़ में दो तिहाई बहुमत के साथ कांग्रेस की सरकार बनाने का मन बना चुकी है.

मोहन मरकाम ने कहा कि कांग्रेस ने जो कहा था वह किया यही कारण है कि जनता ने लगातार पांचवा उपचुनाव जिताकर कांग्रेस को भरपूर आशीर्वाद दिया है. कांग्रेस ने अपने जनघोषणा पत्र में किये गये अधिसंख्यक वायदे को पूरा कर जनता के भरोसे को जीता है. कांग्रेस ने अपने जन घोषणा पत्र के 36 प्रमुख वायदों में से 30 से अधिक वायदों को पूरा कर चुकी है. चार साल के कार्यकाल में सरकार ने आधा समय कोरोना महामारी से निपटने में लगाया उसके बावजूद कांग्रेस सरकार की अपने वायदों को पूरा करने की प्रतिबद्धता ही है कि पांच साल के लिये किये गये 36 वायदों में 30 वायदों को सरकार ने पूरा कर दिखाया और अन्य महत्वपूर्ण वायदों को पूरा करने के लिये कार्रवाइयां शुरू की जा चुकी है.

मोहन मरकाम ने कहा कि कांग्रेस संगठन की मजबूती और कांग्रेस सरकार के जनकल्याणकारी कार्यों का मुकाबला करने के लिये भाजपा के पास न कोई मुद्दा है और न ही नेतृत्व यही कारण है नेतृत्व बदलने के तमाम प्रयोगो के बावजूद भाजपा असफल हो रही है.

छत्तीसगढ़ में आरक्षण का नया विधेयक पास: अब SC 13%, ST 32%, OBC 27% और EWS का 4% कोटा

रायपुर. छत्तीसगढ़ विधानसभा ने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और सामान्य वर्ग के गरीबों को आरक्षण देने वाले दो नये विधेयकों को सर्वसम्मति से पारित कर दिया है. इसे राज्यपाल को भेजा गया है. उनके हस्ताक्षर करने के बाद विधेयक अधिनियम बन जाएंगे. असाधारण राजपत्र में प्रकाशित होते ही यह प्रदेश में आरक्षण की नई व्यवस्था लागू हो जाएगी. उसके बाद ही प्रदेश में नई भर्तियों और स्कूल-कॉलेजों में दाखिले के लिए आरक्षण का रोस्टर जारी होगा. उच्च न्यायालय के 19 सितम्बर को आये एक फैसले से छत्तीसगढ़ में आरक्षण खत्म हो गया है.

सदन में विधेयक पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा विधेयक के पारित होने के बाद आज ही हमारे वरिष्ठ मंत्री इस पर दस्तखत करने के लिए राज्यपाल के पास जाएंगे. हम सुप्रीम कोर्ट में भी क्वांटिफिएबल डाटा के साथ कोर्ट में भी अपना पक्ष रखेंगे. मुख्यमंत्री ने विपक्ष से अपील करते हुए कहा, ष्नेता प्रतिपक्ष, पूर्व नेता प्रतिपक्ष, रमन सिंह, बृजमोहन अजय चंद्राकर, बसपा और जनता कांग्रेस के विधायक संयुक्त रूप से प्रधानमंत्री से मिलते हैं. इसमें दलगत बात नहीं होनी चाहिए.ष् इससे पहले विपक्ष इन विधेयकों के लिए संशोधन प्रस्ताव लाया.

नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कहा, नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कहा, क्वांटिफायबल डाटा आयोग की रिपोर्ट विधानसभा में पेश ही नहीं की गई. सदन को उसकी कोई जानकारी नहीं है. सरकार कह रही है जनसंख्या के अनुपात को आरक्षण का आधार बनाया है तो बिना डाटा के कैसे आधार बना दिया. पहले डाटा पेश कर देते. फिर कानून बना लेते. सरकार को इतनी हड़बड़ी क्यों थी. बृजमोहन अग्रवाल ने कहा आज का दिन संविधांन के लिए कला दिन है. क्या छोटे से चुनाव के लिए संविधान के विरुद्ध कानून बनाएंगे. धरमलाल कौशिक ने कहा इस बात की क्या गारंटी है कि कल कोई कुणाल शुक्ला इस विधेयक को कोर्ट में चुनौती नहीं देगा. लंबी और तीखी चर्चा के बाद देर शाम विधेयक को सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया.

विधानसभा की कार्यवाही खत्म होने के बाद विधेयकों को तुरंत राजभवन पहुंचाने की कार्यवाही शुरू हुई. विधानसभा सचिवालय में औपचारिकता पूरी करने के बाद संसदीय कार्य मंत्री रविन्द्र चौबे, विधि मंत्री मोहम्मद अकबर, आबकारी मंत्री कवासी लखमा, खाद्य मंत्री अमरजीत भगत और नगरीय प्रशासन मंत्री शिव डहरिया रात को ही राजभवन पहुंच गए.

वहां उन्होंने राज्यपाल अनुसूईया उइके से मुलाकात कर विधानसभा में पारित छत्तीसगढ़ लोक सेवा (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों एवं अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण) संशोधन विधेयक- 2022 और छत्तीसगढ़ शैक्षणिक संस्था प्रवेश में आरक्षण (संशोधन) विधेयक-2022 को सौंपा. राज्यपाल ने उक्त विधेयक के संबंध में प्रक्रिया में लेते हुए नियमानुसार शीघ्र कार्यवाही की बात कही है.

इन कानूनों से मिलेगा आरक्षण

छत्तीसगढ़ लोक सेवा (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़ा वर्गों के लिए आरक्षण) संशोधन विधेयक और शैक्षणिक संस्था (प्रवेश में आरक्षण) संशोधन विधेयक पारित हुआ है. इन दोनों विधेयकों में आदिवासी वर्ग-ST को 32%, अनुसूचित जाति-SC को 13% और अन्य पिछड़ा वर्ग-OBC को 27% आरक्षण का अनुपात तय हुआ है. सामान्य वर्ग के गरीबों को 4% आरक्षण देने का भी प्रस्ताव है. इसको मिलाकर छत्तीसगढ़ में 76% आरक्षण हो जाएगा.

जिलों में 88% तक हो सकता है आरक्षण

राज्य सरकार ने इस विधेयक में पहली बार जिला काडर के पदों पर आरक्षण का निर्धारण कर दिया है. मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बताया, जिलों में तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के पदों पर अनुसूचित जाति और जनजाति को संबंधित जिले में उनकी जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण दिया जाएगा. अन्य पिछड़ा वर्ग को 27% आरक्षण मिलेगा. वहीं सामान्य वर्ग के गरीबों को अलग-अलग जिलों में 4 से 10% तक आरक्षण मिलेगा. अभी तक जिला कॉडर का आरक्षण एक शासनादेश के जरिये दिया जाता रहा है. उच्च न्यायालय ने 19 सितम्बर के आदेश में यह आरक्षण अवैध बताकर सरगुजा संभाग के जिलों में खारिज कर दिया था. अब नई व्यवस्था की वजह से किसी-किसी जिले में आरक्षण की सीमा 88% तक हो जाएगी.

19 सितम्बर तक 58% था आरक्षण

छत्तीसगढ़ की सरकारी नौकरियों और शिक्षा में अभी 19 सितम्बर तक 58% आरक्षण था. इनमें से अनुसूचित जाति को 12%, अनुसूचित जनजाति को 32% और अन्य पिछड़ा वर्ग को 14% आरक्षण था. इसके साथ कुछ हद तक सामान्य वर्ग के गरीबों के लिए 10% आरक्षण की व्यवस्था थी. 19 सितम्बर को आए बिलासपुर उच्च न्यायालय के फैसले से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग का आरक्षण खत्म हो गया. उसके बाद सरकार ने नया विधेयक लाकर आरक्षण बहाल करने का फैसला किया. विधेयकों के पारित होने के बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने एक शासकीय संकल्प पेश किया. इसमें केंद्र सरकार से आग्रह किया गया कि वह छत्तीसगढ़ के दोनों आरक्षण कानूनों को संविधान की नवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए आवश्यक कदम उठाए. संविधान की नवीं अनुसूची में शामिल विषयों को सामान्य तौर पर न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकती. भाजपा ने संकल्प का विरोध किया.

भाजपा के अजय चंद्राकर का कहना था, सरकार केवल गुमराह करने के लिए नवीं अनुसूची का संकल्प लाई है. देश के पांच राज्य 50% से अधिक आरक्षण दे रहे हैं. सभी को न्यायालय में चुनौती दी जा चुकी है. केस चल रहा है. यह विशुद्ध रूप से एक राजनीतिक कवायद है ताकि सरकार एक साल तक यह कह सके कि हमनें तो केंद्र को संकल्प भेजा है. भारी हंगामे के बीच भाजपा ने वॉकआउट किया. भाजपा की गैर मौजूदगी में सदन ने संकल्प पारित कर दिया. अब इसे केंद्र सरकार को भेजा जाएगा.

यही सत्र अब शीतकालीन में बदलेगा, 2 जनवरी को फिर से बैठक

अनुपूरक बजट, दोनों आरक्षण विधेयक और शासकीय संकल्प पारित होने के बाद विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही को 2 जनवरी तक के लिए स्थगित कर दिया है. इसका मतलब है कि यही विशेष सत्र अब शीतकालीन सत्र में बदल जाएगा. इस सत्र की अगली बैठक सोमवार 2 जनवरी 2023 को होनी है.

'कका' का कांग्रेस में बढ़ा कद...

सचिन पायलट, गहलोत से बहुत आगे

हिमाचल विधानसभा चुनाव में सीएम भूपेश बघेल की रणनीति से कांग्रेस को मिली जीत गुजरात में नहीं चला मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का जादू, कांग्रेस की हुई करारी हार हिमाचल में कांग्रेस की जीत से मिला बघेल को बूस्टर डोज, पार्टी में बढ़ी हैसियत.

गुजरात और हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव का परिणाम सामने आ चुका है. गुजरात में कांग्रेस की बड़ी हार हुई है. वहीं हिमाचल में अब कांग्रेस की सरकार होगी. इन दोनों राज्यों में चुनाव की जिम्मेदारी कांग्रेस ने अपने भरोसेमंद सीएम भूपेश बघेल और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को सौंपी. लेकिन गहलोत की रणनीति में कांग्रेस पार्टी गुजरात में कोई जादू नहीं कर सकी.

रायपुरः छत्तीसगढ़ की कांकेर जिले की भानुप्रतापपुरा विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव का नतीजा कांग्रेस के पक्ष में आया है. वहीं हिमाचल में भी कांग्रेस को बड़ी जीत मिली है. इस जीत के पीछे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सियासी रणनीति मानी जा रही है, जो भानुप्रतापपुरा और हिमाचल में काम कर गई. दोनों राज्य में बीजेपी के सारे दावे फेल हो गए. माना जा रहा है कि भानुप्रतापपुरा और हिमाचल की जीत से कांग्रेस में सीएम भूपेश बघेल का कद और बढ़ गया है. दरअसल कांग्रेस पार्टी हाई कमान ने भूपेश बघेल पर विश्वास जताते हुए हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए राज्य का पर्यवेक्षक बनाया गया था. हिमाचल की जिम्मेदारी मिलते ही भूपेश बघेल एक्टिव हो गए थे.

कांग्रेस का घोषणा पत्र और बघेल की पॉलिसी

कांग्रेस ने जो घोषणा पत्र हिमाचल के लिए बनाया था, वो भूपेश बघेल की जनहितकारी योजना को ध्यान में रखकर बनाया गया था. कांग्रेस ने युवाओं को 5 लाख नौकरी के साथ महिलाओं को हर महीने 1500 रुपये और पहली कैबिनेट बैठक में 1 लाख लोगों को रोजगार देने का वादा किया, वो हिमाचल में काम कर गया. अब देखा जाए तो भूपेश बघेल कांग्रेस पार्टी में अशोक गहलोत और सचिन पायलट से बहुत आगे हो गए हैं. भूपेश बघेल के लिए बूस्टर का काम हिमाचल से आए नतीजों ने किया है. दरअसल दो राज्य गुजरात और हिमाचल में विधानसभा का चुनाव था. दोनों राज्यों में बीजेपी की सरकार. कांग्रेस के सामने दोनों राज्यों में सत्ता में वापसी की चाहत. इस चाहत के चलते कांग्रेस ने अपने दो राज्यों छत्तीसगढ़ और राजस्थान के श्धुरंधरश सीएम पर दांव लगाया.

बघेल को दी थी हिमाचल की जिम्मेदारी

कांग्रेस ने 'सियासत के जादूगर' कहे जाने वाले राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत को गुजरात का सीनियर ऑब्जर्वर बनाया. वहीं हिमाचल की जिम्मेदारी छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल को दी. दोनों सीएम की खासियत पर कांग्रेस पार्टी को भरोसा था कि वो बीजेपी की काट ढूंढ कर चुनाव के नतीजे 'हाथ' में डाल देंगे. दरअसल दोनों राज्यों छत्तीसगढ़ और राजस्थान में बीजेपी को हटाकर कांग्रेस सत्ता में आई थी. ऐसे में पार्टी ने भरोसा करते हुए गहलोत और बघेल को क्रमशः गुजरात और हिमाचल की जिम्मेदारी दी.

गुजरात में नहीं चला गहलोत का जादू

अब दोनों राज्यों के चुनाव नतीजे सामने आ चुके हैं. गुजरात में अशोक गहलोत की रणनीति काम नहीं आई और कांग्रेस को बीजेपी से बुरी तरह हार मिली. गुजरात चुनाव में रघु शर्मा प्रदेश प्रभारी बनाए गए थे, जबकि गहलोत सीनियर ऑब्जर्वर की भूमिका में थे. गुजरात चुनाव में 182 सीटों में से कांग्रेस के खाते में केवल 17 सीटें आईं. जबकि पिछले चुनाव में कांग्रेस को यहां 16 सीटों की बढ़त भी मिली थी. लेकिन इस बार के नतीजे कांग्रेस के लिए बहुत की निराशाजनक हैं.

हिमाचल में कांग्रेस की जीत से स्टार बन गए सीएम बघेल

वहीं दूसरी ओर हिमाचल में सीएम भूपेश बघेल की रणनीति काम कर गई. हिमाचल प्रदेश की 68 सीटों में से कांग्रेस ने 40 सीटों पर शानदार जीत करते हुए सत्ता में वापसी तय कर दी. यहां बीजेपी को केवल 25 सीटें मिली. जबकि कांग्रेस का विकल्प बनने का ख्वाब देख रही आम आदमी पार्टी का खाता भी नहीं खुला. वहीं जीत के बीच हॉर्स ट्रेडिंग के डर से सीएम बघेल ने हिमाचल में डेरा भी डाल दिया.

पहली बार रायपुर में होगा कांग्रेस का 85 वां महाअधिवेशन

दिल्ली में आयोजित स्टीयरिंग कमेटी की बैठक में यह फैसला लिया गया कि इस बार आयोजन छत्तीसगढ़ में किया जाएगा. यह पहली बार है जब कांग्रेस का अधिवेशन राज्य में किया जाएगा. मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा - यह हमारे लिए एक ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण पल होगा.

रायपुरः छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 को लेकर बीजेपी और कांग्रेस अपनी-अपनी रणनीतियों बना रही हैं. इसी कड़ी में कांग्रेस अब छत्तीसगढ़ में अपने 85वें महाधिवेशन का आयोजन करने जा रही है. कांग्रेस शासित राज्य छत्तीसगढ़ में फरवरी 2023 में कांग्रेस का अधिवेशन आयोजित किया जाएगा. इस दिन दिवसीय अधिवेशन के आयोजन के लिए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सहमति दे दी है. दरअसल, सोमवार को दिल्ली में आयोजित स्टीयरिंग कमेटी की बैठक में यह फैसला लिया गया कि इस बार आयोजन छत्तीसगढ़ में किया जाएगा. यह पहली बार है जब कांग्रेस का अधिवेशन राज्य में किया जाएगा. राज्य को महाधिवेशन की मेजबानी मिलने पर सीएम भूपेश बघेल ने खुशी जताई है. उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण दिन होगा.

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस का अधिवेशन आयोजित कर पार्टी एक साथ कई मुद्दों को साधना चाहती है. दरअसल, अगले साल कई राज्यों में विधानसभा चुनाव होना है. इन चुनावों को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस छत्तीसगढ़ के साथ कई राज्यों पर फोकस करना चाहती है.

कई राज्यों के आदिवासी वोटर्स पर फोकस

जानकारों का कहना है कि महाधिवेशन के लिए सोच समझकर रायपुर का सिलेक्शन किया गया है. राहुल गांधी अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान आदिवासी वोटर्स को साधने की कोशिश में हैं. इसके लिए वो लगातार आदिवासी वोटर्स पर फोकस कर रहे हैं. अगल साल छत्तीसगढ़ के अलावा मध्यप्रदेश, राजस्थान और तेलंगाना में भी चुनाव हैं. इन्हें देखते हुए छत्तीसगढ़ का सिलेक्शन किया गया है. अगर छत्तीसगढ़ में अधिवेशन आयोजित किया जाता है तो इसका असर पड़ोसी राज्यों में भी पड़ेगा. इसी वजह से अधिवेशन के लिए छत्तीसगढ़ को चुना गया है.

सीएम ने जताई खुशी

छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल ने ट्वीट कर कहा- मुझे बताते हुए खुशी है कि स्टीयरिंग कमेटी की बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 85वां अधिवेशन रायपुर में फरवरी माह में होगा. यह हमारे लिए एक ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण पल होगा. बता दें कि इस राष्ट्रीय अधिवेशन में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा सहित करीब 10 हजार से ज्यादा प्रतिनिधि शामिल हो सकते हैं.

नाबालिग ने मोबाइल पर घंटों पॉर्न देखा, फिर पड़ोस की 10 साल की बच्ची को रेप के बाद मार डाला.

बेमेतरा : छत्तीसगढ़ के बेमेतरा में एक दिल दहला देने वाली घटना घटी है. पुलिस ने बताया कि 17 वर्षीय युवक ने घंटों पोर्न देखा और फिर पड़ोस में रहने वाली 10 वर्षीय बच्ची के साथ रेप किया और उसका गला घोंट दिया. उसने वारदात को तब अंजाम दिया, जब उसके माता-पिता काम पर गए हुए थे. आरोपी छत के रास्ते उसके घर में घुस गया था. जांचकर्ताओं ने कहा कहा कि बच्ची की हत्या के बाद उसे बांस में लटका दिया. इससे वह रेप की घटना को खुदकुशी का रूप देने की कोशिश कर रहा था. पुलिस ने तुरंत उसके चाल को भांप लिया है क्योंकि छोटी बच्ची गांठ बांधने के लिए इतनी ऊंचाई तक नहीं पहुंच सकती थी.

यह घटना 26 नवंबर को रायपुर से 90 किमी दूर एक गांव में घटी है. आरोपी किशोर को सोमवार को पुलिस ने हिरासत में लिया है. उसके खिलाफ रेप और हत्या का मामला दर्ज किया गया है. साथ ही उसे दुर्ग जिले के एक रिमांड होम में भेज दिया गया है. पुलिस के अनुसार, माता-पिता को जब इस भयानक घटना के बारे में पता चला तो वह काम से वापस लौटकर आए. सदमे में परिवार ने स्थानीय पुलिस थाने में जाकर शिकायत दर्ज कराई है.

पुलिस ने मौके का मुआयना किया और शव को कब्जे को लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. एक अधिकारी ने कहा कि प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट था कि बच्ची का यौन उत्पीड़न किया गया है. साथ ही उसका वीडियो बनाया गया था. शुरुआत में इस मामले की जांच एक अंधे केस के रूप में हुई क्योंकि तत्काल कोई संदिग्ध नहीं था. सूत्रों के अनुसार पुलिस ने स्थानीय निवासियों से पूछताछ शुरू की, जिनमें से कई ने पड़ोस में एक 17 वर्षीय लड़के की ओर इशारा करना शुरू किया. पुलिस ने कहा कि उसे जब पूछताछ के लिए लाया गया तो उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया.

सूत्रों ने बताया कि उसने अपने बयान में स्वीकार किया है कि बच्ची से रेप के बाद उसने मारने का प्लान बनाया था. उसके डर था कि पीड़िता ने उसका नाम पुलिस को कहीं बता न दे. पुलिस ने कहा कि आरोपी ने अपने ही डंडे से उसका गला घोंटने और फिर उसके साथ शव को लटकाने की बात स्वीकार की है. उसने बच्ची के शव के बगल में बड़े करीने से एक कुर्सी रख दी ताकि यह दिखा सके कि खेलते-खेलते गलती से उसने फांसी लगा लगी.

पुलिस ने कहा कि पीड़िता घर पर एक साल के भाई के देखभाल के लिए थी. उसकी हत्या के बाद आरोपी ने बच्चे को फर्श पर लिटा दिया ताकि उसके रोने की आवाज पड़ोसियों को सुनाई दे.

जांच कर रहे अधिकारियों ने कहा कि वह छत के रास्ते अपने घर से भाग गया ताकि चोरी के कोई स्पष्ट संकेत न दिखें और फिर सड़क पर निकल गया. इसके बाद उसने वहां भीड़ इकट्ठा करना शुरू कर दिया जो कि बंद घर में चिल्ला रहा था. बच्चे को लेकर चिंतित पड़ोसी अंदर घुसे और मृत बच्चे को देखा. अपने बयान में किशोर ने कहा था कि वह पोर्न का आदी है. रेप और मर्डर से पहले उसने यह देखा था.

छत्तीसगढ़ के बेटे अंकित यादव ने दुनिया के सबसे बड़े डाइनिंग टेबल में मनाया अपना जन्मदिन, शेयर बाजार को लेकर इनकी भविष्यवाणी होती है सच साबित

रायपुर. छत्तीसगढ़ में जन्मे ग्लोबल शेयर मार्केट के सबसे बड़े वेल्थ मैनेजर अंकित यादव (Ankit Yadav) किसी पहचान के मोहताज नहीं. इस बार अंकित यादव ने अपना जन्मदिन भारत में ही बनाया और देश के सबसे खूबसूरत महल ताज फलकनुमा में अंकित अपने जन्मदिन पे दिखाई दिए.

जन्मदिन में मिला शाही सम्मान

अंकित के जन्मदिन को खास बनाने के लिए उन्हें शाही सम्मान भी मिला. इस अवसर पे (101) बटलर उनके खातिरदारी के लिए मौजूद रहे. फलकनुमा पहुंचते ही उनका स्वागत धूम-धाम से हुआ. सबसे पहले उनकी आरती की गयी, इसके बाद निजाम के अंदाज में टाँगे से अंकित होटल में गए. गुड लक के लिए उन्हें मोगरे की हार दी गयी.

अंकित ने किया रॉयल डिनर दुनिया के सबसे बड़े डाइनिंग टेबल में यही मनाया गया अंकित यादव का जन्मदिन

यह डिनर हर मायने मे खास रहा छत्तीसगढ़ के अंकित ने इस बार दुनिया के सबसे बड़े डाइनिंग टेबल में (101) बटलर की मौजूदगी में डिनर किया. अंकित ने खास हैदराबादी बिरयानी का लुत्फ उठाया. इसके आलावा उन्होंने सादा साधारण भोजन ही लिया.

क्यों है अंकित इतने प्रसिद्ध?

आप सब सोच रहे होंगे की अंकित यादव इतने प्रसिद्ध क्यों है. तो आपको बता दें छोटे से शहर भिलाई के अंकित ने 2019 में एक भविष्यवाणी की थी शेयर बाजार के लुड़कने को लेके, जो सच साबित हुई. इसके बाद अंकित पुरे दुनिया में प्रसिद्ध हो गए और अलग अलग कीर्तिमान अपने नाम भी किए. वर्तमान में अंकित यादव राज्य के सबसे अधिक करदाताओं में भी है और देश के युवा मिलियनेयर है. बाजार के पंडित भी उनकी हुई भविष्यवाणी को खास ध्यान देते है.

अंकित कर रहे है छत्तीसगढ़ का नाम रोशन

देश विदेश से लोग आज अंकित से मिलने और उनका घर देखने पहुंच रहे. आज अंकित पूरे देश में छत्तीसगढ़ का नाम ऊँचा कर रहे है, इसके साथ ही युवा को भी प्रेरित कर रहे है, मिडिल क्लास के लिए अंकित एक आशा की किरण बन कर उभरे है की अगर आपके सपनो में जान है, तो आपको आसमान की ऊंचाई छूने से कोई नहीं रोक सकता.

शिक्षा विभाग की वेबसाइट यूनिफाइड डिस्टिक इनफॉरमेशन सिस्टम से मिले आंकड़ों के मुताबिक बस्तर जिले में बीते 3 सालों में करीब 2 हजार बच्चों ने पढ़ाई छोड़ी है. जबकि पूरे बस्तर संभाग में यह आंकड़ा 40 हजार के करीब है. विभाग का कहना है बच्चों की स्कूल लाने के लिए कई तरह के कार्यक्रम में चलाए जा रहे हैं.

यहां तीन सालों में 40 हजार बच्चों ने छोड़ दिए स्कूल, ड्राप आउट में 10वीं-12वीं क्लास के छात्र सबसे आगे

रायपुरः छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में बीते 3 सालों में 40 हजार बच्चे अपनी पढ़ाई छोड़ चुके हैं. इसमें प्राथमिक से लेकर हायर सेकेंडरी तक के बच्चे शामिल हैं. बच्चों की लगातार पढ़ाई छोड़ने की वजहों को लेकर शिक्षा विभाग के पास कोई उचित जवाब नहीं है. राइट टू एजुकेशन एक्ट लागू होने के बावजूद भी प्राथमिक और माध्यमिक स्तर की पढ़ाई में बच्चों को जोड़े रखने में शिक्षक कामयाब नहीं हो रहे हैं. शिक्षा विभाग की वेबसाइट यूनिफाइड डिस्टिक इनफॉरमेशन सिस्टम से मिले आंकड़ों के मुताबिक बस्तर जिले में बीते 3 सालों में करीब 2 हजार बच्चों ने पढ़ाई छोड़ी है. जबकि पूरे बस्तर संभाग में यह आंकड़ा 40 हजार के करीब है.

प्राथमिक कक्षाओं के 12 हजार 256 बच्चों ने स्कूल छोड़ा है. जबकि माध्यमिक कक्षा में 13 हजार 495 बच्चे शिक्षा से दूर हो चुके हैं. 10वीं और 12वीं क्लास में भी बड़ी संख्या में छात्र पढ़ाई छोड़कर ड्राप आउट की श्रेणी में है. नक्सल प्रभावित इलाकों में भी बंद पड़े स्कूलों को खोलने के दावे किए जाते हैं. इन क्षेत्रों में पोटा केबिन कस्तूरबा आश्रम जैसी सुविधाएं संचालित की जा रही हैं. इसके साथ ही जिला स्तर पर केंद्रीय विद्यालय आत्मानंद स्कूल खोले जा रहे हैं. ऐसे में बच्चों के स्कूल छोड़ने के आंकड़े प्रशासनिक तैयारियों पर सवालिया निशान उठाते हैं. अंदरूनी इलाकों में अभी हालात ऐसे हैं कि शिक्षक महीनों स्कूल नहीं जाते जिसकी वजह से छात्र रोजाना पढ़ाई नहीं कर रहे है. कोरोना के दौरान सबसे ज्यादा छात्रों ने स्कूल छोड़ा है. छत्तीसगढ़ में 2020-21 में जहां बच्चों का ड्रापआउट रेट 13.4% था वहीं साल 2019-20 में यह 18 प्रतिशत था.

क्या कहना है अधिकारियों का

एरेस चौहान, जेडी शिक्षा विभाग, बस्तर संभाग का कहना है की सभी जिला शिक्षा अधिकारियों से ड्रापआउट के बारे में बैठक की गई और उनसे जानकारी मांगी गई है. एक सर्वे कराया जा रहा है लेकिन अभी मिली जानकारी के अनुसार 41 हजार बच्चों ने ड्रापआउट किया है. बच्चों की स्कूल लाने के लिए कई तरह के कार्यक्रम में चलाए जा रहे हैं. अभिभावकों को भी यह संदेश दिया जा रहा है कि अपने बच्चों को स्कूल भेजें. सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को यह निर्देश दिया गया है कि वास्तविक संख्या की जानकारी दें.

बिलासपुर और नागपुर के बीच चलेगी वंदेभारत

'रायपुर. देश की सबसे तेज चलने वाली वंदे भारत ट्रेन के लिए रेलवे ने शेडयूल जारी कर दिया है और इसकी बुकिंग भी शुरू हो गई. IRCTC ने बिलासपुर से नागपुर के लिए चेयरकार का किराया AC & II के बराबर 1077 रुपए तय किया है. इसी तरह एग्जीयूटिव क्लास के लिए 2045 रुपए टिकट रखा है. रेलवे ने ट्रेन को राजनांदगांव में भी स्टापेज दिया है. 11 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नागपुर रेलवे स्टेशन से ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे. इसी दिन शाम को ट्रेन के बिलासपुर पहुंचने पर स्वागत में रेलवे भी उत्सव मनाने की तैयारी में है.'

आरामदायक होगा सफर

इस दौरान यहां ग्रुप डांस के साथ ही कत्थक, कुचीपुड़ी, भरतनाट्यम, बीहू नृत्य जैसे रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी. आयोजन में शामिल होने के लिए रेलवे ने भाजपा और कांग्रेस नेताओं को आमंत्रण भी भेजा है. बिलासपुर से नागपुर तक चलने वाली वंदेभारत ट्रेन की बुकिंग शुरू हो गई है. इसमें IRCTC ने चेयरकार और एग्जीक्यूटिव क्लास के लिए अलग-अलग किराया तय किया है, जो सामान्य ट्रेनों से चार गुना अधिक किराया है.

ट्रेन में चेयरकार का बिलासपुर से नागपुर का किराया AC II के बराबर 1070 रुपए तय किया है. वहीं एग्जीक्यूटिव क्लास में बिलासपुर से नागपुर तक सफर तय करने के 2045 रुपए है. इसी तरह वंदेभारत ट्रेन में बिलासपुर से रायपुर तक चेयरकार के लिए 470 और एग्जीक्यूटिव क्लास के लिए 905 रुपए किराया तय किया गया है. यात्रियों को बिलासपुर से दुर्ग के लिए 635 और 1155, बिलासपुर से राजनांदगांव के लिए 690 और 1265, बिलासपुर से गोंदिया के लिए 865 और 1620 रुपए खर्च करने होंगे.

बिलासपुर के जोनल स्टेशन में कोचिंग डिपो से तैयार होकर वंदे भारत ट्रेन को शुक्रवार को नागपुर के लिए रवाना किया गया. इससे पहले बुधवार देर रात ट्रेन बिलासपुर रेलवे स्टेशन पहुंची थी. कोचिंग डिपो में रेलवे के अफसरों ने ट्रेन का परीक्षण किया. इस दौरान रेलवे के मैकेनिकल, इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों के साथ ही जोन महाप्रबंधक, डीआरएम सहित अन्य अधिकारियों ने ट्रेन का बारीकी से परीक्षण किया.

ट्रेन में पथराव होने की आशंका, टूटा मिला शीशा

इस दौरान एक्सप्रेस ट्रेन के 2 कोच के डिब्बों की खिड़कियों के शीशे टूटे मिले. चेन्नई से बिलासपुर लाने के दौरान ट्रेन में कहीं पथराव किया गया था, जिसकी जानकारी किसी को नहीं हो पाई. बताया जा रहा है कि 11वें और 12वें नंबर के कोच पर पथराव किया गया था. गुरुवार को परीक्षण के दौरान अफसरों को इसकी जानकारी हुई.

राजनांदगांव में भी होगा स्टापेज, चेंबर ने की थी मांग

वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के शुरू होने के पहले ही राजनांदगांव में स्टापेज देने की मांग शुरू हो गई थी. सांसद संतोष पांडेय ने इसके लिए रेल मंत्री को पत्र लिखा था. वहीं, चेंबर आफ कामर्स ने भी ट्रेन के शहर में ठहराव की मांग उठाई थी. स्टापेज नहीं देने पर चेंबर के सदस्यों व व्यापारियों ने एकजुट होकर आंदोलन करने की चेतावनी भी दी थी. लिहाजा, अब रेलवे ने इस ट्रेन को राजनांदगांव में भी स्टापेज देने का फैसला लिया है.

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों से बरामद हुए अमरीका में बने हथियार

रायपुर. सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में हथियार बरामद होते रहे हैं लेकिन अब बीजापुर पुलिस ने बताया कि, पिछले महीने नक्सलियों के साथ हुई मुठभेड़ में अमरीका में निर्मित हथियार बरामद हुए हैं. अधिकारियों ने बताया कि, बीते 26 नवंबर को मिरतुर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले पोमरा के जंगलों में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 4 नक्सली मारे गए थे. उन्हीं नक्सलियों के पास से अमरीका में बने हथियार बरामद हुए हैं.

सामान्य के मुकाबले M1 राइफल चलाना आसान

अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों के पास से 4 हथियार बरामद हुए थे. इन हथियारों में एक हथियार अमरीका में निर्मित ड1 कार्बाइन भी थी. अधिकारियों ने बताया कि ड1 कार्बाइन सामान्य राइफल के मुकाबले छोटी होती है लेकिन इसको चलाना आसान होता है.

पहले भी बरामद हुए हैं हथियार

नक्सलियों के पास से बरामद हथियार के में दर्ज सीरियल नंबर के आधार पर पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस तरह का हथियार किस तरह से नक्सलियों के पास तक पहुंचा? इसी तरह 2018 में भी सुकमा में नक्सलियों के साथ सुरक्षाबलों की हुई मुठभेड़ में जर्मनी में बनी राइफल बरामद हुई थी और अमरीका में बनी सब-मशीनगन भी बरामद हुई थी.

पाकिस्तानी यूट्यूबर अजलान शाह ने शादी में पत्नी को गिफ्ट किया गधे का बच्चा

पाकिस्तान से अजीबोगरीब खबरें सामने आती रहती हैं. अब एक लोकप्रिय यूट्यूबर से जुड़ी ऐसी खबर सामने आई है, जोकि सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है. दरअसल, यूट्यूबर अजलान शाह ने अपनी शादी में दुल्हन को गधे का बच्चा गिफ्ट किया है. अब सोशल मीडिया पर यह चर्चा का विषय बन गया है.

अजलान शाह यूट्यूब पर काफी फेमस हैं. उन्हें एनिमल लवर के रूप में भी पहचाना जाता है. हाल ही में उनका वारिशा जावेद से वलीमा हुआ. सोशल मीडिया साइट इंस्टाग्राम पर सामने आए वीडियो में अजलान अपनी पत्नी को गधे का बच्चा गिफ्ट करते हुए नजर आ रहे हैं.

इंस्टाग्राम पर अजलान का यह वीडियो वायरल हो गया है. अब तक दो लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं. उन्होंने वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन लिखा, ''अब सवाल है कि गधा ही क्यों? अजलान खुद ही इसका जवाब समझा रहे हैं.'' यूट्यूबर के इस पोस्ट पर काफी लोग कामेंट्स कर रहे हैं. एक यूजर ने लिखा कि अब यह भी एक ट्रेंड बन जाएगा खोटे गधे गिफ्ट करने का. वह क्या कहते हैं कि हर गधे का दिन आता है. हालांकि, कई यूजर्स दुल्हन को गधा गिफ्ट करना क्यूट बता रहे हैं, जबकि एक यूजर ने कहा कि कैसे-कैसे लोग रहते हैं इस दुनिया में.

वीडियो की शुरुआत में अजलान कहते हैं कि आरिफ गिफ्ट लेकर आओ. इसके बाद एक शख्स गधा का बच्चा लेकर आता है. अजलान गधे को दिखाते हुए अपनी पत्नी से कहते हैं कि अब सवाल उठता है कि आखिर गिफ्ट में गधा ही क्यों दिया? आगे वे खुद ही जवाब देते हुए कहते हैं कि यह आपको पसंद है और दुनिया का सबसे मेहनती और सबसे लविंग एनिमल है.

'मुझे गधे काफी पसंद हैं'

वीडियो में वे आगे कहते हैं कि मुझे जानवर बहुत पसंद है. मुझे गधे काफी पसंद हैं, इसीलिए मैंने वारिशा के लिए यह गिफ्ट दिया है. बस अब मजाक नहीं बनाया जाए. वीडियो में अजलान और उनकी पत्नी वारिशा काफी खुश नजर आ रहे हैं. वे दोनों एक-दूसरे से बातचीत करते हुए और डांस करते हुए दिख रहे हैं. पीछे से 'एक मैं और एक तू' गाना भी बजता सुनाई देता है. वहीं, अजलान और उनकी पत्नी ने समारोह में श्मेरे महबूब मेरे सनमश गाने पर डांस भी किया.

हर महीने करें 2000 का Investment और पाएं 70 लाख का रिटर्न

आज के समय में ज्यादातर लोग प्राइवेट नौकरी करते हैं, इसलिए उनके पास वृद्धावस्था में पेंशन का विकल्प नहीं होता है. इसलिए समझदारी इसी में है कि हम नौकरी के साथ-साथ ऐसी योजनाओं में इंवेस्टमेंट करना शुरू करें, जहां से हमें बेहतर रिटर्न मिले और बुढ़ापे में पैसों की कमी का सामना न करना पड़े.

अगर आप भी एक बेहतर इंवेस्टमेंट योजना की तलाश में हैं, तो आपको म्यूचुअल फंड में एसआईपी के जरिए निवेश करना चाहिए. SIP को सिर्फ 500 रुपये से भी शुरू किया जा सकता है. अगर आप इसमें हर महीने 2000 रुपए भी निवेश करते हैं, तो आप कुछ ही सालों में 70 लाख से ज्यादा की पूंजी बना सकते हैं.

एसआईपी में 2000 मासिक निवेश

अगर आपको 22 साल की उम्र में नौकरी मिल जाती है और आपकी शुरुआती सैलरी 15000 रुपये है तो आप Investment के नाम पर कम से कम 2000 रुपये आसानी से निकाल सकते हैं. अगर आप 22 साल की उम्र से हर महीने 2000 रुपये का एसआईपी शुरू करते हैं. इसे 30 साल तक लगातार जारी रखते हैं तो आप सालाना 24000 रुपये का निवेश करेंगे.

इस तरह 30 साल में आप कुल रू.7,20,000 का निवेश करेंगे. इस दौरान आपको कंपाउंडिंग का भी फायदा मिलेगा. SIP कैलकुलेटर के मुताबिक, अगर आपको 30 साल में SIP में 12% का औसत रिटर्न मिलता है, तो आपको 63,39,828 रुपये का लाभ होगा और Maturity पर आपको 7,20,0007, 20,000 = 70 रुपये मिलेंगे, 59,828 मिलेंगे.

अगर आप 22 साल की उम्र में निवेश करना शुरू करते हैं तो 30 साल के बाद आपकी उम्र 52 साल होगी यानी 52 साल की उम्र में आप SIP से ही 70 लाख रुपये से ज्यादा जोड़ लेंगे. वहीं अगर आप सैलरी बढ़ने के साथ-साथ समय-समय पर एसआईपी में निवेश की रकम बढ़ाते रहते हैं तो आप इससे आसानी से करोड़पति बन सकते हैं.

राष्ट्रीय पार्टी बनने पर AAP को दिल्ली में मिलेगा मुफ्त में बंगला

> गुजरात चुनाव में आम आदमी पार्टी को भले ही करारी हार झेलनी पड़ी है, लेकिन अरविंद केजरीवाल इस बात से खुश नजर आ रहे हैं कि उनकी पार्टी राष्ट्रीय पार्टी बनने जा रही है. इसके लिए उन्होंने गुजरात की जनता को धन्यवाद दिया है. चुनाव आयोग के मुताबिक, किसी भी दल को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा प्राप्त करने के लिए तीन शर्तें हैं. इन शर्तो को पूरा करने के बाद उसे कई तरह की सुविधाएं दी जाती हैं, जिसमें दिल्ली में केंद्रीय कार्यालय खोलने के लिए मुफ्त की सरकारी जमीन या फिर कोई सरकारी बंगला शामिल है.

चुनाव आयोग की शर्तों के मुताबिक राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा प्राप्त करने के लिए किसी भी दल को कम से कम 4 राज्यों में 6 प्रतिशत वोट प्राप्त हों. दूसरी शर्त यह होती है कि अगर वह पार्टी लोकसभा की दो प्रतिशत या 11 सीटें जीत जाती है तो भी उसे यह दर्जा मिल सकता है. तीसरी शर्त यह कि उस पार्टी को कम से कम चार राज्यों में राज्य पार्टी का दर्जा प्राप्त हो. यह दर्जा उसे तब मिलता है जब वह विधानसभा में कम से कम दो सीटें जीत जाती है.

आम आदमी पार्टी की दिल्ली और पंजाब में सरकार है. इसके अलावा आप के गोवा और अब गुजरात में भी विधायक हैं. आम आदमी पार्टी ने तीन में से दो शर्तों को पूरा कर लिया है. उसके पास इन चार राज्यों में छह प्रतिशत से अधिक वोट भी हैं. हालांकि, गुजरात में स्टेट पार्टी का दर्जा मिलना अभी बाकी है. इस बात की संभावना है कि गुजरात में जैसे ही राज्य पार्टी का दर्जा मिलता है कि उसे राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा भी मिल जाए.

राष्ट्रीय पार्टी बनने के क्या हैं फायदे?

1. जब कोई पार्टी राष्ट्रीय पार्टी बनती है तो उसे भारत के चुनाव आयोग की तरफ से दिल्ली में केंद्रीय दफ्तर बनाने के लिए चुनाव आयोग मुफ्त में या तो कोई भवन देता है या फिर जमीन मिलती है. आम आदमी पार्टी के पास भी बीजेपी कांग्रेस की तरह दिल्ली में केंद्रीय कार्यालय होगा. फिलहाल आप ने अपनी ही सरकार से दिल्ली में ऑफिस के लिए किराये पर जमीन ले रखा है.

2. आम आदमी पार्टी का चुनाव चिह्न झाड़ू सदा के लिए उसके लिए आरक्षित हो जाएगा.

3. पार्टी चुनाव प्रचार के लिए अपने 40 स्टार कैंपेनपर को उतार सकती है, जिनका खर्चा कैंडिडेट्स के खर्चे से बाहर होगा.

4. दूरदर्शन पर प्रचार के लिए आम आदमी पार्टी को एक निर्धारित समय मिलेगा.

आपको बता दें कि अभी देश में कुल आठ राष्ट्रीय पार्टियां हैं. इनमें बीजेपी, कांग्रेस, बीएसपी, टीएमसी, एनसीपी, सीपीआई सीपीएम और एनपीपी शामिल है.

हिमाचल प्रदेश में 41 फीसदी नए विधायक दागी, 93% हैं करोड़पति

हिमाचल प्रदेश में नवनिर्वाचित विधायकों में से 41 फीसदी दागी, जबकि 93 फीसदी करोड़पति हैं. कुल 68 में से 28 विधायकों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं. एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) के विश्लेषण के आधार पर यह रिपोर्ट जारी की गई है. विधानसभा चुनाव जीते 68 उम्मीदवारों में से 63 करोड़पति हैं.

भाजपा के मुकाबले कांग्रेस में दो गुने दागी

रिपोर्ट के मुताबिक, भाजपा के मुकाबले कांग्रेस के दागी विधायकों की संख्या दोगुनी से भी अधिक है. चुनाव जीते कांग्रेस के 58 उम्मीदवारों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं. वहीं, भाजपा के 20 विधायक दागी हैं. कांग्रेस के 23 और भाजपा के 5 विधायकों पर आपराधिक मामले दर्ज है. कांग्रेस के 9, भाजपा के 3 विधायकों पर गंभीर मामले दर्ज हैं.

विधानसभा में 17 फीसदी करोड़पति और 9 फीसदी दागी बढ़े

हिमाचल विधानसभा में पिछले चुनाव के मुकाबले इस बार के चुनाव में करोड़पति विधायकों की संख्या में 17 का इजाफा हुआ है. वहीं, दागी विधायकों की संख्या 9 बढ़ी है. 2017 के चुनाव में 32 विधायक दागी थे, इस साल 41 फीसदी दागी हो गए हैं. गंभीर आपराधिक मामले वाले विधायकों की संख्या 6 फीसदी बढ़ी है. इस बार 18 विधायकों पर गंभीर मामले दर्ज हैं.

आपका अपना
ORGANIC
किराना स्टोर
ORGALIFE®
Eat Organic, Stay Healthy
ORGALIFE®
A WIDE RANGE OF CERTIFIED ORGANIC & ECO FRIENDLY PRODUCTS
CERTIFIED ORGANIC PRODUCTS
*T&C Apply
#Organic किराना स्टोर
FREE HOME DELIVERY
(Minimum Order ₹1000)
Order On ▶ www.orgalife.in Flipkart amazon
Scan & Shop Now
Shop No.15, Ram Bag Parisar,
Opp, Shri Ram Mandir, VIP Road, Raipur

स्वामी आत्मानंद
शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय योजना

कुल चिन्हांकित शालाएं
718

अंग्रेजी माध्यम
की कुल संचालित शालाएं
247

हिन्दी माध्यम
की कुल संचालित शालाएं
32

नए सत्र में प्रस्तावित विद्यालय
439

कुल लाभान्वित विद्यार्थी
2 लाख 52 हजार 600

सेवा - जतन - सरोकार
छत्तीसगढ़ सरकार

गुणवत्ता के घटक

- आधुनिक आधारभूत संरचना
- पुरानी बिल्डिंग्स का जीर्णोद्धार
- ब्लैक बोर्ड की जगह ग्रीन बोर्ड
- आधुनिक फर्नीचर
- अत्याधुनिक प्रैक्टिकल लैब
- आडियो विज़ुअल माध्यम से पढ़ाई
- एक दिन छत्तीसगढ़ी में पढ़ाई

स्वामी आत्मानंद मेधावी छात्र प्रोत्साहन योजना

- प्रतिवर्ष कक्षा 10 एवं 12 में प्रावीण्य सूची में शामिल छात्रों का सम्मान
- प्रत्येक छात्र को ₹1.5 लाख का पुरस्कार

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

R.O. No. - 12241/93